MATS UNIVERSITY

SCHOOL OF ARTS & HUMANITIES
DEPARTMENT OF HINDI

Syllabus

For
(Three Year Full -Time Degree Programme)

Bachelor of Arts

(BA)

Hindi with Mass Communication

(2025-2028)

(Semester Based Course)

Semeter –I

1. **प्रथम प्रश्न पत्र–**

हिन्दी साहित्य का इतिहास

उद्देश्य

इस कोर्स का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को हिन्दी साहित्य के विस्तृत इतिहास का परिचात्मक अध्ययन कराना है। इसके अंतर्गत वे न केवल साहित्य के विविध युगों, धाराओं और प्रवृत्तियों को समझेंगे, बल्कि उन ऐतिहासिक और सामाजिक परिस्थितियों से भी अवगत होंगे जिनके प्रभाव से साहित्य का स्वरूप बदलता रहा है। यह अध्ययन विद्यार्थियों में विश्लेषणात्मक दृष्टि, आलोचनात्मक समझ तथा तुलनात्मक अध्ययन की क्षमता को विकसित करता है, जिससे वे हिन्दी साहित्य की आधारभूत संरचना और विकास–यात्रा को भली–भांति समझ सकें।

इकाई 1 : आदिकाल / वीरगाथा काल

1. आदिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि
2. समाज, संस्कृति और भाषा–परिवेश
3. वीरगाथा साहित्य की प्रमुख विशेषताएँ
4. प्रमुख कवि चंदबरदाई, सरहपाद, विद्यापति आदि
5. प्रमुख ग्रंथ पृथ्वीराज रासो, दोहा–साहित्य

इकाई 2 : भक्तिकाल

1. भक्तिकाल का उद्‌गम और ऐतिहासिक स्थितियाँ
2. निर्गुण और सगुण धारा
3. प्रमुख कवि , कबीर, रैदास, तुलसीदास, सूरदास, मीरा बाई
4. भक्तिकाल की साहित्यिक विशेषताएँ
5. भक्ति आंदोलन का सामाजिक एवं सांस्कृतिक प्रभाव

इकाई 3 : रीतिकाल / श्रृंगार काल

1. रीतिबद्ध एवं रीतिमुक्त काव्य
2. श्रृंगार काव्य की प्रवृत्तियाँ
3. प्रमुख कवि , बिहारी, केशवदास, मतिराम, देव
4. अलंकार सिद्धांत तथा काव्य–शास्त्रीय परम्परा
5. रीतिकाल की प्रमुख विशेषताएँ एवं सीमाएँ

इकाई 4 आधुनिक काल : गद्य

1. आधुनिक काल का आरंभ और सामाजिक–राजनीतिक संदर्भ
2. निबंध, कहानी, उपन्यास, नाटक का विकास
3. प्रमुख गद्यकार भारतेन्दु हरिश्चंद्र, प्रेमचंद, महावीर प्रसाद द्विवेदी, रामचंद्र शुक्ल
4. आधुनिक गद्य की अभिवृत्तियाँ और नई दृष्टियाँ

इकाई 5 आधुनिक काल : पद्य

1. छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता
2. प्रमुख कवि जयशंकर प्रसाद, सुमित्रानंदन पंत, निराला, महादेवी वर्मा
3. आधुनिक काव्य की विशेषताएँ
4. सामाजिक यथार्थ और काव्य की नवीन अभिव्यक्ति प्रचलन

परिणाम (Course Outcomes)

1. हिन्दी साहित्य की संपूर्ण ऐतिहासिक यात्रा को समझ पाएँगे।
2. प्रत्येक साहित्यिक युग की विशेषताओं, प्रवृत्तियों और प्रमुख रचनाकारों की पहचान करने में सक्षम होंगे।
3. साहित्य और इतिहास/समाज के पारस्परिक संबंधों को समझ सकेंगे।
4. तुलनात्मक अध्ययन की दृष्टि विकसित करेंगे।
5. भाषा, साहित्य और संस्कृति के प्रति संवेदनशीलता और आलोचनात्मक क्षमता अर्जित करेंगे।

संदर्भ–ग्रंथ

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचंद्र शुक्ल
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ. नगेन्द्र एवं हरदयाल
3. हिन्दी साहित्य का आदिकाल – डॉ. हज़ारी प्रसाद द्विवेदी
4. हिन्दी साहित्य का इतिहास – हृदयेश मिश्र
5. हिन्दी भाषा का इतिहास – भोलानाथ तिवारी

2 **द्वितीय प्रश्न पत्र :**

पत्रकारिता के क्षेत्र में संचार सिद्धांत

उद्देश्य

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य यह है कि हिन्दी साहित्य का अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों को पत्रकारिता के क्षेत्र में संचार की मूलभूत अवधारणाओं, सिद्धांतों, प्रक्रियाओं और पत्रकारिता लेखन की विभिन्न विधाओं की गहन समझ प्रदान की जा सके। इसका लक्ष्य विद्यार्थियों को संचार माध्यमों की कार्यप्रणाली, पत्रकारिता के इतिहास तथा आधुनिक प्रसारण माध्यमों की लेखन शैली से परिचित कराना है, ताकि वे पत्रकारिता से जुड़े विविध रोजगार क्षेत्रों में स्वयं को सक्षम बना सकें।

इकाई 1 : संचार – परिभाषा, प्रक्रिया एवं प्रकार

1. संचार की अवधारणा एवं परिभाषा
2. संचार की प्रक्रिया एवं मॉडल
3. संचार के प्रकार : मौखिक, लिखित, दृश्य, श्रव्य–दृश्य
4. संचार के साधन
5. पत्रकारिता में प्रयुक्त शब्दावली एवं भाषा शैली

इकाई 2 पत्रकारिता अर्थ, वर्णन एवं कार्यक्षेत्र

1. पत्रकारिता का अर्थ एवं परिभाषा
2. पत्रकारिता की प्रकृति
3. पत्रकारिता के कार्य
4. पत्रकारिता के आधुनिक एवं परंपरागत कार्यक्षेत्र
5. जनसंचार से पत्रकारिता का संबंध

इकाई 3 पत्रकारिता का इतिहास

1. भारतीय पत्रकारिता का उद्भव
2. प्रारम्भिक समाचार–पत्र
3. हिन्दी पत्रकारिता का क्रमिक विकास
4. स्वतंत्रता संग्राम और पत्रकारिता
5. आधुनिक दौर की पत्रकारिता

इकाई 4 पत्रकारिता लेखन का इतिहास एवं शैली

1. पत्रकारिता लेखन का विकास
2. लेखन के मूल तत्व एवं सिद्धांत
3. रचनात्मकता का महत्त्व
4. फीचर लेखन
5. आलेख लेखन
6. साक्षात्कार लेखन
7. कहानी और रचनात्मक पत्रकारिता
8. व्यावसायिक (ठनेपदमे) लेखन
9. तकनीकी लेखन शैली
10. समाचार लेखन की संरचना
11. पत्र लेखन (औपचारिक/अनौपचारिक)

इकाई 5 प्रसारण माध्यमों हेतु लेखन

1. प्रसारण लेखन की भूमिका
2. रेडियो के लिए भाषा एवं लेखन शैली
3. रेडियो स्क्रिप्ट लेखन के तत्व
4. टीवी समाचार व फीचर लेखन
5. दृश्य–श्रव्य माध्यमों की संरचना एवं विशेषताएँ

परिणाम

1. विद्यार्थी संचार सिद्धांतों एवं प्रक्रियाओं को समझ सकेंगे।
2. वे पत्रकारिता के विभिन्न माध्यमोंकृप्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक, डिजिटलकृ में कार्य करने की दक्षता प्राप्त करेंगे।
3. समाचार लेखन, संपादन, फीचर, साक्षात्कार, और प्रसारण लेखन में व्यावहारिक ज्ञान हासिल करेंगे।
4. पत्रकारिता के ऐतिहासिक और समकालीन स्वरूप को समझकर रोजगार के विविध अवसरों के लिए सक्षम बन सकेंगे।

संदर्भ–ग्रंथ

1. समाचार पत्रों का इतिहास – अंबिका प्रसाद वाजपेयी
2. हिन्दी पत्रकारिता – डॉ. कृष्ण बिहारी मिश्र
3. हिन्दी पत्रकारिता – विविध आयाम – संपादक,वेदप्रताप वैदिक
4. पत्र और पत्रकार – कमलापति त्रिपाठी
5. पत्र संपादन कला – नंदकिशोर त्रिखा

3– तृतीय प्रश्न पत्र –

प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

उद्देश्य

इस प्रश्न पत्र को शामिल करने का उद्देश्य विद्यार्थियों को प्राचीन तथा मध्यकालीन काव्य की प्रमुख विशेषताएँ, प्रवृत्तियाँ, काव्य–दर्शन, भाषा–शैली, तथा संबंधित कवियों की रचनात्मक सृजन–क्षमता से परिचित कराना है। विद्यार्थी इस युग के सामाजिक, सांस्कृतिक, धार्मिक एवं राजनीतिक परिवेश को समझते हुए उसके साहित्य पर पड़े प्रभाव की गहन समझ विकसित करेंगे।

इकाई 1 कबीर

श्यामसुन्दर दास द्वारा संपादित प्रारंभिक 50 साखियाँ
निर्गुण भक्ति, रहस्यवाद, लोकभाषा, सामाजिक आलोचना, उपदेशपरकता।

इकाई 2 सूरदास

भ्रमरगीत सार – आचार्य रामचंद्र शुक्ल द्वारा संपादित 25 पद
माधुर्य भक्ति, राधा–उद्धव संवाद, मनोवैज्ञानिक चित्रण, भाव–प्रवणता।

इकाई 3 तुलसीदास

रामचरितमानस (गीता प्रेस संस्करण) – सुंदरकांड
रामभक्ति, वीर–रस, भक्ति–दर्शन, लोक–आस्था एवं नायकत्व का चित्रण।

इकाई 4 बिहारी

बिहारी रत्नाकर – संपादक , जगन्नाथ प्रसाद रत्नाकर
प्रारंभिक 25 दोहे
श्रृंगार–चित्रण, अलंकारिक सौंदर्य, लक्षणा–व्यंजना, सूक्ष्म संकेत शैली।

इकाई 5 जायसी

पद्मावत – नागमति वियोग खण्ड
प्रेमाख्यान परंपरा, प्रतीकात्मकता, सूफी दर्शन, स्त्री–भावना का मार्मिक प्रस्तुतीकरण।

परिणाम

1. प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियों तथा विशेषताओं को समझ सकेंगे।
2. कबीर, सूर, तुलसी, बिहारी और जायसी जैसी महान काव्य–परंपराओं का तुलनात्मक अध्ययन कर सकेंगे।
3. भाषा, संस्कृति, समाज, धर्म और राजनीतिक परिवेश के साहित्य पर पड़े प्रभावों को पहचान सकेंगे।
4. काव्य–विश्लेषण, व्याख्या, अर्थ–ग्रहण और आलोचनात्मक दृष्टि विकसित कर पाएँगे।
5. लोक संवेदना, भक्ति–आंदोलन, काव्य–दर्शन और मध्यकालीन समाज की मानसिक संरचना को बेहतर समझ सकेंगे।

संदर्भ–ग्रंथ

1. कबीर का रहस्यवाद : डॉ. रामकुमार वर्मा
2. सूरदास आचार्य रामचंद्र शुक्ल
3. तुलसी दर्शन बलदेव प्रसाद मिश्र
4. मध्यकालीन हिन्दी काव्यधारा कृ डॉ. रामस्वरुप
5. प्रमुख प्राचीन कवि डॉ. द्वारिका प्रसाद द्विवेदी

4 General Elective Paper

Fundamentals of Entrepreneurship

Course Objective: To understand the concept of Entrepreneur and its characteristics and functions involved in the growth of the Country Economy.

Course Outcomes:

After successfully completion of this course, the students will be able to: -

1- Explain the concept and theories of entrepreneurship.
2- Summarize the problems faced by a woman entrepreneur.
3- Apply a project idea.
4- Interpret the sources of institutional finance.
5- Demonstrate the importance of MSME industries and Government initiatives for their promotion.

COURSE CONTENTS:

Unit- I

The Entrepreneur: Definitions and Concept, Entrepreneurial Traits, Characteristics and Skills, Classification of Entrepreneurs, Growth of Entrepreneurs, Nature and Importance of Entrepreneurs, The Entrepreneurial Culture, Types of Entrepreneurs, Distinction between Entrepreneur and Manager.

Unit- II

Entrepreneurship: Concept & Theories, Environment, Development, Training.
Women Entrepreneur: Concept, Functions, Growth and Problems faced by Women Entrepreneur.

Unit- III

Project: Concept and Classification Search for a Business Idea, Project Identification, Formulation, Project Design and Network Analysis, Project Report, Project Appraisal.

Unit- IV

Institutional Finance: Commercial Banks & Other Financial Institutions. Institutional Support to Small Entrepreneurs. Ownership Structures: Proprietorship, Partnership, Company, Co-operative, Selection of an Appropriate Form of Ownership Structure.

Unit- V

Micro Small Medium Scale Industries: Introduction of MSME, Classification: Micro Enterprises, Small Enterprises, Medium Enterprises, Ministry of MSME: Introduction, Various government schemes, Registration, difference between Start-up and MSME, Government Policy for MSME: Major MSME schemes, PMEGP(Prime Minister's Employment Generation Programme): Objectives, Benefits, Applicability, SRI(Self Reliant India) Fund: Fund Objectives, SRI fund structure, Applicability, SRI, Steps for starting a MSME Enterprise, Case Study

Textbook:

1. The Dynamics of Entrepreneurial Development and Management, Vasant Desai, Himalaya Publishing House, 6th edition, 2018.

Reference Book:

1. Entrepreneur Development, Satish Taneja, Himalaya Publishing House, 1st edition, 2015.
2. Entrepreneur Development, Dr. S.S. Khanka, S. Chand, 5 th Edition, 2012. Entrepreneur
3. Development, Kumar, latest edition, reprint 2003.

5 Paper-

CONTENT WRITING IN HINDI

Objectives:

To Create Unique Useful and Compelling Content On a Topic.
To Inform The Students To Develop Content As Per The Business Concept.
To Encourage and Guide Students To Write Keywords That Allows The Site Visitors To Get The

Information Quickly and Efficiently
To Equip Students To Write Quality Content and Run Their Own Blogs or Sites.

Unit I:

Meaning, Definition and Scope of Content Writing
Types of Content Writing
Principle of Content Writing
Importance of Content Writing

Unit II:

Different Content Writing Formats
Major Skills for Writing Quality Content
Strategies In Producing High Quality Content
Different Stages of Writing a Good Content

Unit III:

Blogging and Types
Blogging and Advertising
E-Book and Its Different Formats

Unit IV:

Report Writing
Script Writing
News Writing
Feature Writing
Interviwe and Advertisement

Unit V:

Principles of Non- Fiction Writing
Technique for Non- Fiction Writing
Storytelling Techniques

Paper- 6

COMMUNICATION SKILLS

CREDITS: 2

Course Objectives: The Main Objectives Of The Course Are:

1. To Enhance Language Proficiency By Providing Adequate Exposure To Reading And Writing Skills
2. To Orient The Learners Towards Various Communication Tasks
3. To Increase The Range Of Lexical Resource Through A Variety Of Exercises

Learning Outcomes:

1- To Imbibe English And Listening, Speaking, Reading And Writing Skills To Meet The Challenges Of The World.

2- To Be Able To Process Complex Information With Clarity And Conciseness.

Unit I: Basics Of Communication

1. Communication: An introduction
2. Definition And Scope
3. Process Of Communication
4. Barriers To Communication
5. Types Of Communication

Unit II: Writing Skills

3- Letter Writing –Formal and Informal

4- CV, Email, Message

5- Minutes, Report Writing

6- Notice, Memoranda

Unit III: Reading Skills

7- Types Of Readings

Unit IV: Listening Skills

8- Effective Listening

9- Barriers To Listening

Unit V: Speaking Skills

10- Introduction To Soft Skills

11- Personality Development

12- Time Management/ Leadership Skills

13- Interviews/Group Discussion/Presentation Skills

14- Short Speech

Note: Adequate Practice To Be Given In The Class To Improve Speaking And Writing Competence

Text Book Recommended:

1. Brown,Ralph: Making Business Writing Happen: A SimpleAnd Effective Guide To Writing Well. Sydney: Allenand Unwin, 2004.
2. Buscemi, Santiand Charlotte Smith,75 Readings Plus. Second Edition New York: Mc Graw-Hill, 1994.
3. Mohan Krishna & Banerji, Meera: Developing Communication Skills. New Delhi: MacmillanIndia, 1990.

Paper- 7

Yoga In Human Consciousness

Learning Objectives:

1. To increase the knowledge of the students about Yoga and to make students
2. Aware about the holistic development through Yoga.
3. To provide a practical knowledge on different yogic practices.
4. To give a glimpse of ancient Yoga Philosophy.
5. To impart some knowledge about the healing power of Yoga.
6. To increase the professional efficiency in the field of Yoga

Learning Outcomes:

1. Students gain good knowledge on the concept of yoga.
2. Students know about the scientific benefits of various yogic practices
3. Students can perform practical skills proficiently
4. Students gain an awareness about the value of health & wellness through yoga
5. Makes the students more enthusiastic about further study/ research in the field of Yoga

Introduction to Yoga:

1. Meaning and definitions of Yoga
2. History of Yoga
3. Importance of Yoga as art, science and philosophy
4. Yogic Diet

Philosophical Perspective of Yoga:

1. Yoga in Bhagavad Gita: Karma Yoga, Raja Yoga, Jnana Yoga and Bhakti Yoga
2. The‘ Yoga Sutras ’in general; its significance in life.
3. Limbs/ parts of yoga (A stanga Yoga) according to the‘ Yoga Sutras’
4. Concept of I shwara; Ishwarain Yoga Philosophy

Yogic Practices for Health & Wellness:

1. Asana ,its class Ification and effects
2. Pranayama, it s types and effects
3. Kriya, Mudra and Bhandha: Procedure and Effects
4. Yoga Vs Physical Exercise

Human Consciousness & Meditation

1. Meaning & Definition of Human Consciousness.
2. Need for Study of Human Consciousness.
3. Current Crisis of Human Consciousness & Measures for meaningful solution.
4. The Theory of Meditation-Japa Meditation, Ajapajapa Meditation, Yoga Nindra, Tratak.

Practical

1- Surya namskara–(12counts)

2-Asana

a. **Standing**:- Tadasana, Ardhakatichakrasana, Ardhachakrasana, Trikonasana, Vrikshasana.
b. **Sitting:-** Vajrasana, Padmasana, Goumukhasana, Paschimottanasana, Shashankasana.
c. **Lying Supine Position**:- Shavasana,Setubandhasana, Chakrasana, Sarvangasana, Halasana.
d. **Lying Prone Position**-Makarasana, Bhujangasana, Shalabhasana, Dhanurasana, Naukasana.

3- Pranayama

Nadishodhana, Suryabhedana, Chandrabhedana, Shitali, Bhastrika, Bhramari.

4- Bandh & Mudra

Jalndharabandha, Uddiyanbandha, Moolabandha, Yogamudra, Viparitkarnimudra, Shambhavimudra,

5- Dhyanaand its forms

Modes of Assessment (In-Semester):

6-Unit Test
7-Class seminar presentation/ Group discussion
8- Seasonal Examination (Theory and Practical)
9-Attendance and regularity
10- Observation record during practical

Reference Books:

1. Holistic Approach of Yoga-G. Shankar: Aditya Publishers
2. Patanjali's Yoga Sutra –Translation and Commentary -Dr.P.V. Karambelkar: Lonavla
3. Guidelines to Yogic Practices –M.L. Gharote: Lonavla
4. Yoga and Indian Philosophy– Karel Werner: Motilal Banarsidass
5. Yoga: The Pathto Holistic Health -B.K.S.I yenger: Dorling Kindersley Limited

Semester- II

1 प्रथम प्रश्न पत्र :

हिन्दी भाषा की उत्पत्ति एवं विकास

उद्देश्य

इस विषय का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को हिन्दी भाषा की उत्पत्ति, विकास–यात्रा, संरचना, रूप–परिवर्तन, भाषायी विशेषताओं तथा मानकीकरण की प्रक्रियाओं से परिचित कराना है। अध्ययन के माध्यम से विद्यार्थी यह समझ पाएँगे कि हिन्दी किस प्रकार समय के साथ विकसित हुई, किन बोलियों या भाषा–रूपों से उसका निर्माण हुआ तथा आधुनिक काल में उसकी स्वरूपगत विशेषताएँ क्या हैं।

इकाई 1 भाषा की परिभाषा और अभिलक्षण

1. भाषा का अर्थ
2. भाषा की मूल संरचनात्मक विशेषताएँ
3. भाषा के सामाजिक, सांस्कृतिक व मनोवैज्ञानिक पक्ष
4. भाषा और बोली का अंतर

इकाई 2 हिन्दी की उत्पत्ति एवं विकास

1. हिन्दी की उत्पत्ति के प्रमुख सिद्धांत
2. हिन्दी की मूल आधार भाषाएँ
3. अपभ्रंश, प्राकृत तथा अवहट्ट का परिचय
4. पुरानी हिन्दी का स्वरूप
5. अवहट्ट हिन्दी से विकसित आधुनिक हिन्दी
6. हिन्दी के विकास में प्रमुख बोलियों की भूमिका

इकाई 3 हिन्दी भाषा के विभिन्न रूप

1. बोलचाल की भाषा
2. साहित्यिक एवं रचनात्मक भाषा
3. प्रशासनिक भाषा
4. राष्ट्रभाषा, राजभाषा, संपर्क भाषा के रूप में हिन्दी
5. हिन्दी के क्षेत्रीय व सामाजिक रूप

इकाई 4 हिन्दी का शब्द–भण्डार एवं शब्दकोश

1. हिन्दी शब्द–सम्पदा के स्रोत
2. तत्सम, तद्भव
3. देशज, विदेशी शब्द
4. शब्द–निर्माण की प्रक्रियाएँ
5. हिन्दी शब्दकोश परंपरा
6. शब्दार्थ–विकास एवं परिवर्तन की प्रवृत्तियाँ

इकाई 5 हिन्दी भाषा का मानकीकरण एवं आधुनिकीकरण

1. मानकीकरण की आवश्यकता और प्रक्रिया
2. हिन्दी व्याकरण का मानक रूप
3. आधुनिक हिन्दी की विशेषताएँ
4. तकनीकी, वैज्ञानिक एवं डिजिटल युग में हिन्दी
5. आधुनिक संचार माध्यमों में हिन्दी का प्रयोग

परिणाम

1. हिन्दी भाषा की उत्पत्ति और उसके परिवर्तनक्रम को वैज्ञानिक रूप से समझ पाएँगे।
2. हिन्दी की बोलियों, रूपों एवं शब्द–संपदा की विविधता को पहचान सकेंगे।
3. भाषा के मानकीकरण तथा आधुनिकीकरण की प्रक्रियाओं से परिचित होंगे।
4. आधुनिक युग में हिन्दी के उपयोग, प्रसार और महत्व को समझ सकेंगे।
5. भाषा–विज्ञान की बुनियादी अवधारणाओं को व्यवहारिक रूप में ग्रहण कर सकेंगे।

संदर्भ–ग्रंथ

1. हिन्दी उत्पत्ति एवं विकास : डॉ. हरदेव बाहरी
2. हिन्दी भाषा साहित्य का विकास : जगदीश यादव
3. हिन्दी भाषा साहित्य का विकास तथा काव्यांग विवेचन : डॉ. आर.के. पाण्डेय
4. हिन्दी भाषा का इतिहास : डॉ. भोलानाथ तिवारी
5. व्याकरण भारती : सुरेन्द्र कुमार झा

2 द्वितीय प्रश्न पत्र –

जनसंचार और समाचार लेखन

उद्देश्य

संचार मानवीय जीवन का अनिवार्य तत्व है, जिसके माध्यम से समाज, संस्कृति और सूचना का आदानदृप्रदान सुचारु रूप से होता है। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को जनसंचार की बुनियादी अवधारणाओं, परिभाषाओं और महत्व से परिचित कराना, संचार माध्यमोंकृपारंपरिक और आधुनिककृदोनों के कार्य, स्वरूप और प्रभाव को समझाना, समाचार लेखन की तकनीक, सिद्धांत, संरचना तथा समाचार के विभिन्न रूपों में कुशल बनाना, शीर्षक लेखन की कला तथा उसके भाषिक, सौंदर्यात्मक और तकनीकी पहलुओं से अवगत कराना, तथा साक्षात्कार की तैयारी, संचालन और प्रस्तुति की व्यावहारिक विधियों में दक्ष बनाना।

इकाई 1 जनसंचार – अभिप्राय, परिभाषाएँ और महत्व

1. संचार का स्वभाव, तत्व और उद्देश्य
2. जनसंचार की परिभाषाएँ
3. जनसंचार की विशेषताएँ – व्यापकता, तात्कालिकता, प्रभावशीलता
4. समाज में जनसंचार की भूमिका – शिक्षा, मनोरंजन, सामाजिक परिवर्तन, जनमत निर्माण

इकाई 2 जनसंचार के आधुनिक एवं परम्परागत माध्यम

1. परम्परागत माध्यम
2. कठपुतली, लोकनृत्य, लोकगीत, नौटंकी, लोककथाएँ, दीवार लेखन
3. आधुनिक माध्यम
4. प्रिंट मीडिया : समाचार पत्र, पत्रिकाएँ
5. इलेक्ट्रॉनिक मीडिया : रेडियो, टेलीविजन
6. डिजिटल/न्यू मीडिया : इंटरनेट, सोशल मीडिया, पोर्टल्स
7. जनसंचार माध्यमों की पहुँच, विश्वसनीयता और प्रभाव

इकाई 3 समाचार लेखन सिद्धांत, तकनीक और प्रकार

1. समाचार की परिभाषा, गुण : नवीनता, तथ्यपरकता, वस्तुनिष्ठता
2. समाचार लेखन में 5W–1H सिद्धांत
3. उल्टा पिरामिड शैली
4. समाचार के प्रकार : हार्ड न्यूज़, सॉफ्ट न्यूज़, फीचर, मानवीय रुचि के समाचार
5. समाचार संकलन के स्रोत और सत्यापन की प्रक्रिया

इकाई 4 शीर्षक लेखन : महत्व, प्रकार और विशेषताएँ

1. शीर्षक लेखन की भूमिका : ध्यान आकर्षण, विषय संकेत, प्रभाव निर्माण
2. अच्छे शीर्षक की विशेषताएँ : संक्षिप्त, स्पष्ट, प्रभावी, रोचक
3. शीर्षकों के प्रकार : मुख्य शीर्षक, उपशीर्षक, कैप्शन, ब्लर्ब
4. शीर्षक लेखन की भाषिक शैली और रचनात्मकता

इकाई 5 साक्षात्कार : अर्थ, प्रकार और महत्व

1. साक्षात्कार का अर्थ और परिभाषा
2. साक्षात्कार के प्रकार : सूचनात्मक, व्याख्यात्मक, व्यक्तित्व आधारित, खोजपरक
3. साक्षात्कार की तैयारी : प्रश्न निर्माण, शोध, विषय की समझ
4. साक्षात्कार कौशल : भाषा, संवाद कौशल, शिष्टाचार
5. मीडिया में साक्षात्कार की महत्ता

परिणाम

1. जनसंचार की मूलभूत अवधारणाओं, प्रक्रियाओं और महत्व को गहराई से समझ सकेंगे।
2. पारंपरिक तथा आधुनिक संचार माध्यमों के स्वरूप, विशेषताओं और उपयोगिता का विश्लेषण कर पाएँगे।
3. समाचार लेखन की तकनीकों, संरचना और भाषा–शैली में दक्षता प्राप्त करेंगे।
4. प्रभावी और रचनात्मक शीर्षक लेखन की कला में निपुण होंगे।
5. साक्षात्कार की तैयारी, संचालन और प्रस्तुति की व्यावहारिक समझ विकसित करेंगे।
6. प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और डिजिटलकृतीनों प्रकार के मीडिया में रोजगार के अवसर प्राप्त करने में सक्षम होंगे।

संदर्भ ग्रंथ :–

1.	जनसंचार	:	राधेश्याम शर्मा
2.	सूचना संचार और समाचार	:	मुकुंद श्रीवास्तव
3.	जनसंचार और विज्ञापन	:	संतोष गोयल
4.	रेडियों प्रसारण	:	कौशल शर्मा
5.	मीडिया विमर्श	:	रामशरण जोशी
6.	सूचना प्रौद्योगिकी और जनमाध्यम	:	डॉ. निहारिका चतुर्वेदी
7.	पत्रकारिता के विविध आयाम	:	डॉ. गोविंद प्रसाद

3 तृतीय प्रश्न पत्र –

प्रयोजनमूलक हिन्दी की प्रयुक्तियाँ

उद्देश्य

इस प्रश्न पत्र का प्रमुख उद्देश्य विद्यार्थियों को सामान्य हिन्दी और कार्यालयीन/कामकाजी हिन्दी के बीच के सूक्ष्म अंतर को समझाना है। यह विषय उन्हें हिन्दी की व्यावहारिक उपयोगिता, स्पष्टता, शुद्धता एवं व्यवहारिक लेखन–शैली से परिचित कराता है। साथ ही, यह आधुनिक कार्यालयीन संप्रेषण, अनुवाद, तकनीकी भाषा तथा कम्प्यूटर आधारित लेखन कौशल को विकसित करता है।

इकाई 1 प्रयोजनमूलक हिन्दी का स्वरूप

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी का अर्थ एवं परिभाषा
2. कामकाजी हिन्दी दायरा, महत्ता, विशेषताएँ
3. पल्लवन एवं संक्षिप्ति
4. प्रशासनिक तथा औपचारिक संदर्भों में हिन्दी की भूमिका

इकाई 2 शब्द एवं भाषा संरचना

1. शब्द के प्रकार
2. समानार्थी एवं विलोम शब्द
3. समश्रुत भिन्नार्थक शब्द
4. अनेकार्थी शब्द
5. तत्समदृतद्भव शब्द
6. उपसर्ग एवं प्रत्यय
7. वाक्य एवं वाक्य के प्रकार

इकाई 3 विराम चिन्ह

1. विराम चिन्हों के प्रकार
2. विभिन्न विराम चिन्हों के प्रयोग
3. विराम चिन्हों के प्रयोग से अर्थ स्पष्टता
4. औपचारिक लेखन में विराम चिन्हों की भूमिका

इकाई 4 मानक भाषा एवं भाषा–शुद्धि

1. मानक हिन्दी विशेषताएँ एवं मानदंड
2. अशुद्ध वाक्यों की पहचान
3. व्याकरणिक एवं शाब्दिक अशुद्धियों का संशोधन
4. प्रशासनिक एवं औपचारिक लेखन में शुद्ध भाषा

इकाई 5 व्यावहारिक लेखन कौशल

1. पारिभाषिक शब्दावली
2. निबंध लेखन
3. प्रतिवेदन
4. पत्र लेखन (औपचारिक/अनौपचारिक, कार्यालयीन पत्र)
5. हिन्दी टंकण एवं कम्प्यूटर आधारित लेखन की मूल बातें

परिणाम

1. कम्प्यूटर एवं हिन्दी टंकण के सामान्य ज्ञान से परिचित हो जाएंगे।
2. तकनीकी एवं कार्यालयीन लेखन में दक्षता प्राप्त करेंगे।
3. सरकारी–गैरसरकारी कार्यालयों में प्रयुक्त भाषा–शैली को सही रूप में समझ सकेंगे।
4. अनुवाद (विशेषतः कार्यालयीन एवं व्यावहारिक अनुवाद) की मूलभूत शैली को सीख सकेंगे।
5. संक्षिप्त, स्पष्ट एवं सटीक संप्रेषण कौशल का विकास कर सकेंगे।

संदर्भ–ग्रंथ

1. जनसंपर्क और विज्ञापन ,संतोष गोयल
2. जनसंचार और हिन्दी ,डॉ. गुलाम मोहनुद्दीन
3. मीडिया लेखन कला ,निशांत सिंह
4. हिन्दी पत्रकारिता के कीर्तिमान ,जगदीश प्रसाद त्रिवेदी
5. कार्यालयीन हिन्दी, प्रो. के. एल. वर्मा
6. प्रयोजनमूलक हिन्दी (विशेषांक) वाक् पत्रिका
7. प्रयोजनमूलक हिन्दी और हिन्दी पत्रकारिता ,डॉ. मुस्ताक अली
8. प्रयोजनमूलक हिन्दी ,डॉ. नरेन्द्र मिश्रा

4. **Course Syllabus**

STRESS MANAGEMENT

Course	Subject Code	Name Of Subject	Periods Per Week			Scheme of Marks		Credits
			L	**T**	**P**	**INTERNAL**	**EXTERNAL**	4
GENERIC ELECTIVE	GE	STRESS MANAGEMENT	4	-	-	30	70	

UNIT I:

Learning about sources of stress and its symptoms: Nature of stress- various sources of stress environmental, social, physiological and psychological; Symptoms of stress - emotional response, physiological &behavioural

UNIT II:

Stress and health: effects of stress on health, eustress.

UNIT III:

Managing stress-I: Methods - yoga, meditation, relaxation techniques.

UNIT IV:

Managing stress-II: Problem focused and emotion focused approaches.

References :

1- Carr, A. (2004). Positive Psychology: The science of happiness and human strength.UK: Routledge. DiMatteo, M.R. & Martin, L.R.(2002). Health psychology. New Delhi: Pearson Neiten, W. & Lloyd, M.A (2007). Psychology applied to Modern life. Thomson Detmar Learning.

2- Sarafino, E.P. (2002). Health psychology: Bio psychosocial interactions (4th Ed.).NY: Wiley.

5 प्रश्न पत्र

सोशल मीडिया (Social Media)

उद्देश्य

1. इस पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को मीडिया की आधुनिक प्रवृत्तियों से परिचित कराना है।
2. डिजिटल युग में सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव को समझाना,
3. इंटरनेट एवं न्यू मीडिया के विकास और तकनीकी संरचना से अवगत कराना,
4. सोशल मीडिया के भाषाई, सामाजिक, सांस्कृतिक एवं व्यावसायिक पहलुओं को उजागर करना,
5. तथा नए मीडिया परिधि में उपलब्ध रोजगार एवं कैरियर अवसरों की पहचान कराना।

इकाई 1 सोशल मीडिया – अर्थ, स्वरूप, विशेषताएँ, महत्व

1. सोशल मीडिया की अवधारणा एवं परिभाषाएँ
2. सोशल मीडिया का स्वरूप इंटरैक्टिव, डिजिटल, नेटवर्क आधारित
3. प्रमुख विशेषताएँ उपयोगकर्ता–जनित सामग्री, सहभागिता, तात्कालिकता, वायरल संस्कृति
4. आधुनिक समाज में सोशल मीडिया का महत्व संचार, शिक्षा, मनोरंजन, व्यवसाय, सामाजिक आंदोलनों में भूमिका

इकाई 2 इंटरनेट की विकास यात्रा : इतिहास एवं वर्तमान स्वरूप

1. इंटरनेट का आरंभ, विकास की प्रमुख अवस्थाएँ
2. वेब 1.0, वेब 2.0 और वेब 3.0 का परिचय
3. इंटरनेट के आधुनिक उपयोग : ई–शिक्षा, ई–शासन, ई–कॉमर्स, क्लाउड सेवाएँ
4. आज का इंटरनेट पारिस्थितिकी तंत्र : स्मार्टफोन, ऐप्स, प्लेटफॉर्म, डिजिटल नेटवर्क

इकाई 3 न्यू मीडिया कृ अर्थ, स्वरूप एवं समाज पर प्रभाव

1. न्यू मीडिया की परिभाषा और विकास
2. न्यू मीडिया के प्रमुख घटक ब्लॉग, वेबसाइट, ई–न्यूज़ पोर्टल, सोशल नेटवर्किंग साइट्स, पॉडकास्ट, व्ज्
3. सामाजिक संरचना में न्यू मीडिया की भूमिका : डिजिटल समाज, ऑनलाइन समुदाय, वर्चुअल संस्कृति
4. न्यू मीडिया की चुनौतियाँ : फेक न्यूज़, सूचना की अतिशयता, निजता का संकट

इकाई 4 सोशल मीडिया और हिन्दी भाषा /जनसंपर्क

1. सोशल मीडिया में हिन्दी भाषा का स्वरूप, प्रचलन और चुनौतियाँ
2. हिन्दी टाइपिंग, ट्रांसलिटरेशन, इमोजी संस्कृति
3. सोशल मीडिया और जनसंपर्क
4. ब्रांड प्रमोशन
5. इन्फ्लुएंसर मार्केटिंग
6. लोकसंपर्क में सोशल मीडिया की रणनीतियाँ
7. डिजिटल कैंपेन और सरकारी संचार

इकाई 5 सोशल मीडिया कानून /सकारात्मक व नकारात्मक प्रभाव

1. सोशल मीडिया से जुड़े प्रमुख कानून
2. IT Act 2000
3. IT Rules 2021
4. कॉपीराइट, डेटा प्राइवेसी, साइबर अपराध
5. सोशल मीडिया के सकारात्मक प्रभाव : जागरूकता, सूचनाओं का प्रसार, सीखने–समझने के अवसर
6. नकारात्मक प्रभाव : फेक न्यूज़, ट्रोलिंग, ऑनलाइन हिंसा, साइबर बुलिंग, निजता का उल्लंघन

अनुशंसित ग्रंथ

1. सम्पूर्ण पत्रकारिता – डॉ. अर्जुन तिवारी, वाराणसी विश्वविद्यालय प्रकाशन
2. पत्रकारिता सिद्धांत एवं स्वरूप – डॉ. रमेशचंद्र त्रिपाठी, राधा पब्लिकेशन, नई दिल्ली
3. भारत में पत्रकारिता आलोक मेहता, नेशनल बुक ट्रस्ट, नई दिल्ली
4. हिन्दी पत्रकारिता स्वरूप एवं संदर्भ – डॉ. विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन
5. हिन्दी पत्रकारिता का बाज़ार भाव – जवाहरलाल कौल, प्रभात प्रकाशन

परिणाम

1. सोशल मीडिया, न्यू मीडिया और ई–मीडिया के स्वरूप, महत्व और उपयोगिता को अच्छी तरह समझ सकेंगे,
2. आधुनिक डिजिटल तकनीकों एवं इंटरनेट के विकास के दौरान हुए परिवर्तनों का विश्लेषण कर पाएँगे,
3. हिन्दी भाषा के सोशल मीडिया रूपों और जनसंपर्क में सोशल मीडिया के प्रयोग का मूल्यांकन कर सकेंगे,
4. सोशल मीडिया कानून, सुरक्षा मानकों और नैतिक जिम्मेदारियों से परिचित होंगे,
5. तथा मीडिया, विज्ञापन, जनसंपर्क, डिजिटल मार्केटिंग, न्यू मीडिया पत्रकारिता आदि क्षेत्रों में कैरियर अवसर प्राप्त करने में सक्षम बनेंगे।

6 Paper

GENERAL ENGLISH

Objective:- Student Understand Articles, Verbs, Determiners-Use Of Some/Any, Any Type Of Sentences. Student Understand Tenses Active And Passive .Student Understand Poem Where The Mind Is Without Fear By , Poem – Tree By Tina Morris.

Unit-1 : Articles, Verbs, Poem- Where The Mind Is Without Fear By Rabindranath Tagore.

Unit- 2 : Determiners-Use Of Some/Any, Sentences And Type Of Sentences, Poem-Tree By Tina Morris.

Unit-3 : Tenses Active And Passive, Story- The Portrait Of A Lady By Khushwant Singh.

Unit- 4 : Gerunds, Infinitives, Story-The Open Window By H.H. Munro.

Unit- 5 : Prepositions, Letter Writing-Formal And Informal Letters, Paragraph Writing.

REFERENCE BOOKS :

1. High School English Grammar And Composition By Wren & Martin
2. English Language And Indian Culture Published By M.P. Hindi Granth Academy, Bhopal

Results:-

Student Understand Story- The Portrait Of A Lady By , Story-The Open Window By H.H. Munro. Student do Practices Prepositions, Letter Writing-Formal And Informal Letters, Paragraph Writing.

7 Paper

Environmental Studies & Disaster Management

Learning Objectives Credit: 2 Marks: 50 (35+15)

On successful completion of the course students will be able to:

1. Identify the historical origins of destructive attitudes and practices towards the natural environment.
2. Know the compatibility of human and environment/ecological values.
3. Know the nature resources available on earth and how to concern and manage them.
4. Understand the disaster and pandemic they are facing and empower the new generation to face the new challenges.

Unit-I (Environment)

The Atmosphere, Lithosphere, Hydrosphere, Biosphere. Ecosystem: Energy flow in the ecosystem Biogeochemical Cycle: Water Cycle, Carbon Cycle, Nitrogen Cycle Pollution: Water Pollution, Air Pollution, Soil Pollution, Radiation Pollution, Industrial Pollution, Light Pollution, Sound Pollution. Environmental Laws: (Water Act 1974, Air act 1981, The Wildlife Protection Act 1972, The Environment Protection Act 1986). The Forest Conservation Act 1980.

Unit- II (Climate Change & Sustainable Development)

Population Ecology: Individuals, Species, Population, Community (01 Period) Human Population Growth, Population Control Methods (01 period) Urbanization and its effect on society (0) Period) Climate Change, Cause, Effect, Global Warming, Carbon Footprint and environmental protection (05 Periods) Step taken towards Sustainable Development: Ban of single-use plastic automobile Scrapping Policy, Promotion of Electrical Vehicles, Brief idea on Sustainable Development Goals (SDGs), Agenda 21 of Rio Earth Summit.

Unit- III (Disaster Management)

Disaster Management: Types of Disasters (Natural and Man-made and their cause and effect) Vulnerability Assessment and Risk Analysis: Vulnerability to various disasters (Flood, Cyclone, Earthquake. Heat waves and Lightning) Institutional Framework: Institutional arrangements for disaster management (National Disaster Management Authority (NDMA), Chhattisgarh State Disaster Management Authority (CSDMA), District Disaster Management Plan-(DDMP) Raipur. Preparedness Measure and Survival skills adopted during and after disaster

Unit- IV (Public Health Management)

Brief idea on Epidemics and Pandemics Non-Communicable Diseases with special reference to cardiovascular diseases, Cancer, Hypertension and Obesity and their prevention.

Communicable Diseases with special reference to Covid-19, Flu, Hepatitis, AIDS and Tuberculosis and their transmission Dynamics of Disease Transmission: Mode of transmission (Direct/Indirect), Events after infection: Immunity (Active vrs Passive, Innate vrs Acquired, Herd Immunity), Incubation Period. Prevention of Epidemics/Pandemics Disease: Preventing Measures (Quarantine, Sanitization, Personal Protective measures such as Hand Washing and use of protective devices, Vaccination); Control Measures (Surveillance, Isolation, Contact Tracing) Life Style Management (Diet, Physical Exercise, Yoga and sleeping habit)

Reference Book:

1. Environment and Disaster Management Ecology Climate Change Biodiversity, 3rd Edition, by D.R Khullar

2. An Introduction to Disaster Management Natural Disasters and Man Made Hazards, 3rd Edition by S. Vaidyanathan

3. Environment. Disaster Management Climate Change, by Dr. Y. K. Sharma & P. Jain.
4. Environmental Studies and Disaster Management by Rajneeta Soni

Semester- III

CORE COURSES

1 प्रथम प्रश्न पत्र –

आधुनिक काव्य

उद्देश्य

इस पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को आधुनिक हिन्दी काव्य की विविध धाराओं, प्रवृत्तियों एवं युगीन परिस्थितियों से परिचित कराना है। आधुनिक काल के प्रमुख कविकृमैथिलीशरण गुप्त, निराला, पंत, माखनलाल चतुर्वेदी और अज्ञेयकृ के माध्यम से विद्यार्थी समझ पाएंगे कि भारतीय समाज, राजनीति, राष्ट्रवाद, संवेदनशीलता और मानवीय जीवन के नवजागरण को किस प्रकार काव्य में अभिव्यक्ति मिली।

इन कवियों की भाषा–शैली, विचार–दृष्टि, कल्पनाशीलता, तथा कलात्मक प्रयोगशीलता का अध्ययन छात्र को आधुनिक काव्य–संरचना के चरित्र को समझने में सक्षम बनाता है।

इकाई 1 मैथिलीशरण गुप्त

1. साकेत : नवम सर्ग (पद क्रमांक 1–5)
2. भारत–भारती की चयनित कविताएँ
3. राष्ट्रीय चेतना
4. स्त्री–चरित्र की नवीन व्याख्या
5. भाषा की सरलता और ओज
6. रामकथा का आधुनिक पुनर्पाठ

इकाई 2 सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

1. सरोज–स्मृति
2. तोड़ती पत्थर
3. सखि बसन्त आया
4. हिन्दी के सुमनों के प्रति पत्र
5. व्यक्तिगत पीड़ा और करुणा
6. श्रमिक–जीवन तथा यथार्थवाद
7. प्रकृति–चित्रण और प्रतीक
8. भाषा में प्रयोगशीलता, विद्रोह और मुक्तछंद

इकाई 3 सुमित्रानंदन पंत

1. बादल
2. ताज
3. भारत माता
4. झंझा में नीम
5. छायावाद का सौंदर्यबोध
6. प्रकृति–प्रेम और कोमल संवेदनाएँ
7. राष्ट्रवाद का कोमल रूप
8. रूपवादी सौंदर्य एवं संगीतात्मकता

इकाई 4 माखनलाल चतुर्वेदी

1. उलाहना
2. मैं बेच रही हूँ दही
3. सांझ और ढोलक की थाप
4. निःशस्त्र सेनानी

5. बलिपंथी से
6. राष्ट्रीय आन्दोलन की चेतना
7. ग्राम्य–जीवन और लोकसौन्दर्य
8. त्याग, बलिदान, स्वतंत्रता–संघर्ष
9. भाषा की सहजता और प्रभावशीलता

इकाई 5 अज्ञेय

1. बावरा अहेरी
2. सबेरे उठा तो धूप खिली थी
3. घर
4. चाँदनी जी लो
5. नई कविता का आरंभ और प्रयोग
6. व्यक्तिवाद, आत्मानुभूति और अस्तित्वबोध
7. प्रतीक, बिंब और आधुनिक संवेदना
8. भाषा में सूक्ष्मता और बौद्धिकता

परिणाम

आधुनिक हिन्दी काव्यधारा की विशेषताओं, प्रवृत्तियों और सामाजिक–ऐतिहासिक संदर्भों को समझ सकेंगे।
प्रमुख आधुनिक कवियों की शैली, विचार–दृष्टि, काव्यरूप, और कलात्मक प्रयोगों की पहचान कर सकेंगे।
काव्य–लेखन के प्रति स्वाभाविक रुचि विकसित करेंगे तथा अपनी रचनात्मकता को अभिव्यक्ति देने में सक्षम होंगे।
आधुनिक समाज, राष्ट्रवाद, व्यक्तिगत संवेदनाओं और मानव–मूल्यों की साहित्यिक अभिव्यक्ति को गहराई से समझ पाएंगे।

संदर्भ–ग्रंथ

1. साकेत – मैथिलीशरण गुप्त
2. आधुनिक हिन्दी काव्य – डॉ. राजेन्द्र मिश्र
3. निराला का साहित्य–साधना – रामविलास शर्मा (राजकमल प्रकाशन)
4. राग–विराग – संपादक : डॉ. रामविलास शर्मा
5. तारापथ – दूधनाथ सिंह
6. अज्ञेय और नई कविता – चंद्रकला त्रिपाठी

द्वितीय प्रश्न पत्र –

प्रसारण पत्रकारिता

इस पाठ्यक्रम का लक्ष्य विद्यार्थियों को प्रसारण (Broadcasting) की कला, तकनीक, इतिहास और उसके सामाजिक महत्व से अवगत कराना है। विद्यार्थियों को यह समझाया जाता है कि रेडियो, टेलीविजन तथा एफएम जैसे माध्यम सूचना, शिक्षा, मनोरंजन और सामाजिक परिवर्तन के कितने प्रभावी उपकरण हैं।
साथ ही पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को प्रस्तुति कौशल, आवाज़ मॉड्यूलेशन, स्क्रिप्ट राइटिंग, स्टूडियो व्यवहार, एवं प्रसारण की तकनीकी प्रक्रियाओं में प्रशिक्षित कर उनकी प्रतिभा को निखारने का अवसर देता है।

इकाई 1 रेडियो एक संचार माध्यम

1. रेडियो का इतिहास
2. रेडियो का विकास
3. रेडियो क्यों प्रभावी संचार माध्यम है
4. रेडियो की विशेषताएँकृध्वनि, गति, सरलता, पहुँच
5. रेडियो का जनसंचार में योगदान

इकाई 2 आकाशवाणी केंद्र

1. आकाशवाणी का इतिहास
2. संगठनात्मक संरचना
3. कार्यक्रमों का निर्माण व प्रबंधन
4. आकाशवाणी केंद्र के विभाग
5. आकाशवाणी केंद्र का भ्रमण एवं व्यवहारिक अध्ययन

इकाई 3 कम्यूनिटी रेडियो

1. कम्यूनिटी रेडियो का इतिहास
2. समुदाय आधारित प्रसारण का महत्व
3. स्थानीय समस्याओं के समाधान में भूमिका
4. शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका एवं जागरूकता में योगदान
5. भारत में प्रमुख कम्यूनिटी रेडियो केंद्र

इकाई 4 दूरदर्शन

1. दूरदर्शन का इतिहास
2. टेलीविजन एक संचार माध्यम
3. ऑडियो–वीडियो के संयुक्त प्रभाव
4. कार्यक्रमों के प्रकारकृसमाचार, धारावाहिक, डाक्यूमेंट्री, टॉक शो
5. दूरदर्शन केंद्र का भ्रमण

इकाई 5 एफ.एम. रेडियो

1. एफएम का इतिहास
2. एफएम तकनीक और ध्वनि की गुणवत्ता
3. युवा पीढ़ी में एफएम की लोकप्रियता
4. मनोरंजन आधारित कार्यक्रम
5. आर.जे. (रेडियो जॉकी) के कौशल
6. एफएम केंद्रों का भ्रमण

परिणाम

1. प्रसारण पत्रकारिता की मूलभूत तकनीक, सिद्धांत और व्यवहार को समझ सकेंगे।
2. रेडियो, दूरदर्शन और एफएम की कार्यप्रणाली को व्यवहारिक रूप से पहचान सकेंगे।
3. समाचार प्रस्तुति, स्क्रिप्ट लेखन, वॉइस मॉड्यूलेशन, इंटरव्यू तकनीक आदि में दक्षता अर्जित करेंगे।
4. मीडिया संस्थानों में कार्य करने हेतु आवश्यक व्यावहारिक अनुभव (स्टूडियो विज़िट/भ्रमण) प्राप्त करेंगे।
5. प्रसारण मीडिया में करियर बनाने के लिए आवश्यक आत्मविश्वास और रचनात्मक योग्यता से सम्पन्न होंगे।

संदर्भ ग्रंथ

1. रेडियो प्रसारण : कौशल शर्मा
2. टेलीविजन की भाषा : हरीशचंद वर्णवाल
3. मीडिया विमर्श : रामशरण जोशी
4. फीचर लेखन : संजय श्रीवास्तव
5. स्टिंग आपरेशन नहीं फिटिंग आपरेशन : अजीत कुमार तोमर
6. रेडियो प्रसारण की नई तकनीक : डॉ. किशोर सिन्हा

3 तृतीय प्रश्न पत्र –

हिन्दी निबंध और एकांकी

उद्देश्य

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को हिन्दी निबंध और एकांकी जैसी महत्वपूर्ण विधाओं के उद्भव, स्वरूप, और विकास की विस्तृत जानकारी देना है। निबंध की चिंतनशील प्रवृत्ति तथा एकांकी की नाटकीय कलाकृदोनों का अध्ययन छात्र की अभिव्यक्ति क्षमता, कल्पनाशीलता, विश्लेषण–शक्ति और साहित्यिक संवेदनशीलता को समृद्ध करता है।
इस पाठ्यक्रम के अंतर्गत चयनित निबंधों और एकांकियों के माध्यम से विद्यार्थी सामाजिक, सांस्कृतिक, मानवीय तथा व्यंग्यात्मक दृष्टि से साहित्यिक अनुभव प्राप्त करेंगे।

इकाई 1 निबंध

1. निबंध का परिचय
2. निबंध का स्वरूप
3. हिन्दी निबंध का उद्भव
4. विकास की प्रमुख अवस्थाएँ
5. निबंधकारों की परंपरा रू आचार्य शुक्ल से आधुनिक निबंध तक

इकाई 2 एकांकी

1. एकांकी का परिचय
2. एकांकी का स्वरूप
3. हिन्दी एकांकी का इतिहास
4. आधुनिक हिन्दी एकांकी का विकास
5. नाटक और एकांकी में अंतर

इकाई 3 चयनित निबंध

1. श्रद्धादृभक्ति – आचार्य रामचंद्र शुक्ल (निबंध)
2. दीपदान –रामकुमार वर्मा (निबंध)

इकाई 4 निबंध और एकांकी

1. मजदूरी और प्रेम – सरदार पूर्ण सिंह (निबंध)
2. मम्मी ठकुराइन – लक्ष्मीनारायण लाल (एकांकी)

इकाई 5 व्यंग्य और एकांकी

1. वैष्णव की फिसलन हरिशंकर परसाई
2. रीढ़ की हड्डी – जगदीश चंद्र ठाकुर

परिणाम

1. हिन्दी निबंध और एकांकी की मूल प्रकृति, संरचना, इतिहास और विकास–क्रम को समझने में दक्ष होंगे।
2. चयनित निबंधों व एकांकियों की शैली, विचार–धारा, भाषिक सौंदर्य, तथा नाटकीय प्रस्तुति की विशिष्टताओं को पहचान सकेंगे।
3. अभिव्यक्ति कौशल, विश्लेषण–क्षमता, रचनात्मक लेखन, और आलोचनात्मक विवेक में प्रगति करेंगे।
4. सामाजिक, सांस्कृतिक और मानवीय समस्याओं को साहित्यिक दृष्टि से देखने की क्षमता विकसित करेंगे।

संदर्भ ग्रंथ

1. हिन्दी एकांकी की शिल्पविधि का विकास – डॉ. सिद्ध नाथ कुमार
2. हिन्दी एकांकी : उद्‌भव और विकास – रामचरण महेंद्र
3. हिन्दी गद्य साहित्य का इतिहास – रामचंद्र तिवारी
4. हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ. नगेंद्र, हरदयाल
5. चिंतामणी – आचार्य रामचंद्र शुक्ल
6. हिन्दी निबंध साहित्य का इतिहास – गोपाल राव
7. श्रेष्ठ एकांकी – संकलित
8. निबंध संकलन – संकलित

4 Paper

Literature, Films and Environment

Objectives:

The objective of this paper is to introduce learners to the expression of environmental issues through literature and films. Students at the undergraduate level are already aware of basics of environmental studies. This paper will help them to understand how the media of literature and film are used to raise awareness in readers/ viewers. Immediate and major environmental concerns like climate change, man- made drought, water crises etc will be discussed through texts and cinema.

Learning Objectives:

This paper will help learners to understand how the environment can be studied through literature and films. The paper will help learners to analyse environmental issues

Learning Outcome:

After the completion of the paper, learners will be able to evaluate environmental issues through literature and films Learners will be able to create awareness about the environment.

Module 1 : Ecocriticism- meaning, definition

Module 2.: Literature and Nature; Wordsworth's poems

Module 3: *The Silent Spring* by Rachel Carson

Module 4: Climate Change and literature- Amitav Ghosh's works – *The Hungry tide, The Great Derangement*

Module 5: Films – Before the Flood, Chasing Coral, Virunga

Suggested Readings:-

Ecocriticism by Greg Garrard
Collection of William Wordsworth's poems published by Macmillan or Oxford University Press
The Silent Spring by Rachel Carson
The Great Derangement and *The Hungry Tide* by Amitav Ghosh

5 प्रश्न पत्र –

हिन्दी भाषा एवं समसामयिकी

उद्देश्य–हिन्दी भाषा की विभिन्न विधाओं से परिचित करना, साहित्यिक अभिरूचि निर्माण करना, व्याकरण का ज्ञान और प्रयोग से दक्षता निर्माण करना।

इकाई 1 : हिन्दी भाषा की संरचना

अ) वर्ण विचार – 1. वर्णमाला 2. वर्तनी 3. संधि

ब) शब्द विचार – शब्द भेद – उत्पत्ति के आधार पर, रचना के आधार पर , प्रत्यय, उपसर्ग

स) वाक्य के भेद – 1. रचना के आधार पर 2. अर्थ के आधार पर, 3. वाक्य शुद्धि, कहावते, व मुहावरे, विराम चिन्हों का प्रयोग।

इकाई 2 :

हिन्दी की प्रमुख प्रतिनिधि रचनाएँ,

अ) भारतमाता (कविता) – सुमित्रानंदन पंत,

ब) बहुत बड़ा सवाल (एकांकी)– मोहन राकेश,

इकाई 3 : अनुवाद प्रविधि

अ) अनुवाद का अर्थ, क्षेत्र

ब) हिन्दी की प्रयोजनीयता में अनुवाद की भूमिका

इकाई 4 : निबंध

अ) प्रौद्योगिकी एवं नगरीकरण – डॉ. रामशंकर तिवारी।

ब) आधुनिक तकनीकी सभ्यता– डॉ. रामशंकर तिवारी।

स) पर्यावरण प्रदूषण तथा धारणीय विकास– डॉ. चन्द्रलेखा रघुवंशी।

इकाई 5 : कार्यालयीन पत्र एवं आलेख

अ) कार्यालयीन पत्र एवं आलेख–परिपत्र, आदेश, अधिसूचना

ब) ज्ञापन– अनुस्मारक, पृष्ठांकन

परिणाम – छात्र हिन्दी की भाषिक एवं साहित्यिक विशेषताओं से परिचित होगें, भाषा के साहित्य एवं व्याकरण का ज्ञान प्राप्त कर इसके अनुप्रयोग में समर्थ होंगे।

संदर्भ ग्रंथ

1. भारतमाता – सुमित्रानंदन पंत
2. बहुत बड़ा सवाल – मोहन राकेश
3. हिन्दी शब्द सागर– डॉ. किशोरीदास बाजपेयी
4. हिन्दी का व्याकरणिक अध्ययन– आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
5. भाषा और साहित्य– डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी
6. हिन्दी भाषाः संरचना एवं प्रयोग – सुनीता मिश्रा

6. (SEC)

Computer System Architecture and Digital Electronics

Objective

1. To introduce students to the fundamental structure, organization, and functioning of computer systems.
2. To develop understanding of CPU design, memory organization, I/O processing, and instruction execution.
3. To prepare learners for advanced study in computer hardware, system performance, and architectural analysis.

Unit- 1 Computer Organization

- Introduction of Computers
- Components of Computer
- Types of Memory

Unit- 2 Digital System and Boolean Algebra

- Understanding digital systems
- Number systems
- Boolean functions

Unit- 3 Gate-Level Minimization

- Introduction to GATE level Minimization
- Karnaugh Maps
- logic gate implementations

Unit- 4 Computer Software

- Fundamentals of Computer Software
- Software Development process
- System Architecture

Unit- 5 Cyber Security

- Introduction to Cyber security
- Types of cyber-attacks
- Future Trends in Cyber security

Learning Outcomes

1. Students will understand the internal working principles of computers and system components.
2. They will acquire knowledge of data paths, control units, memory hierarchy, and processor organization.
3. Learners will be able to analyze, compare, and evaluate different computer architectures.

Reference Books

1. *Computer System Architecture* — M. Morris Mano, **Pearson, 2017 (Reprint Edition)**
2. *Computer Organization and Architecture* — William Stallings, **Pearson, 2016**
3. *Structured Computer Organization* — Andrew S. Tanenbaum, **2013**

6. (IKS)

भारत एक परिदृश्य

उद्देश्य

1. विद्यार्थियों को भारत की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, भूगोल, जनसंख्या संरचना, संविधान और राष्ट्रीय व्यक्तित्वों का समग्र ज्ञान प्रदान करना।
2. भारत की प्राचीन सभ्यताओं, धर्मों, प्राकृतिक विविधता, राजनीतिक मूल्यों तथा शैक्षिक व साहित्यिक विकास से अवगत कराना।
3. राष्ट्र की बहुआयामी विशेषताओं को समझाकर विद्यार्थियों में सामाजिक जागरूकता, राष्ट्रीय भावना और विश्लेषणात्मक सोच विकसित करना।

इकाई –1 भारतीय संस्कृति की पृष्ठभूमि

1 परिचय ब विस्तार
2 सिंधु घाटी सभ्यता,वैदिक काल
3 बौद्ध धर्म, जैन धर्म, हिंदू धर्म

इकाई – 2 भारत का भूगोल एवं जनसंख्या

1. आकार एवं स्थान
2. प्रभाग और पर्वत
3. जनसंख्या वितरण
4. भारत की जनसंख्या की प्रमुख विशेषताएँ एवं जनसंख्या के चरण

इकाई– 3 भारतीय संविधान

1. संविधान की प्रस्तावना
2. संविधान की विशेषताएं
3. मौलिक अधिकार
4. मौलिक कर्तव्य

इकाई –4 भारत के महान व्यक्तित्व

1. गांधीः मोहनदास से महात्मा बनने का सफर
2. जवाहरलाल नेहरू, सुभाषचंद्र बोस
3. डॉ राजेंद्र प्रसाद

इकाई –5

1. भारत में शिक्षा का विकास
2. भारतीय साहित्य

परिणाम

1. विद्यार्थी भारत की सांस्कृतिक विरासत, भौगोलिक संरचना, जनसंख्या विशेषताओं और संविधान की मूल अवधारणाओं को स्पष्ट रूप से समझ सकेंगे।
2. वे राष्ट्रनिर्माण में योगदान देने वाले महापुरुषों के विचारों, संघर्षों और आदर्शों से प्रेरणा प्राप्त करेंगे।
3. विद्यार्थी भारत की शिक्षा व्यवस्था और साहित्यिक परंपरा के विकास को ऐतिहासिक और सामाजिक परिप्रेक्ष्य में समझने में सक्षम होंगे।

संदर्भ ग्रंथ

1. भारतीय संस्कृति का इतिहास कृ राधाकमल मुखर्जी, 2011
2. भारत का भूगोल – डॉ. माजिद हुसैन, 2015
3. भारतीय संविधान का परिचय – डी. डी. बसु, 2018

Semester- IV
CORE COURSES

1 प्रथम प्रश्न पत्र –

नाट्य साहित्य

उद्देश्य

इस प्रश्न पत्र का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को नाटक और रंगमंच की मूल प्रक्रियाओं, ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, विकास–धारा और प्रमुख नाटककारों के योगदान से परिचित कराना है। साथ ही, आधुनिक हिन्दी नाटक की प्रवृत्तियों, भाषा, तकनीक और रंग–दृष्टि को समझाते हुए विद्यार्थियों में नाट्य लेखन व मंचन की रचनात्मक क्षमता का विस्तार करना भी इसका प्रमुख लक्ष्य है।

इकाई 1

1. हिन्दी नाटक स्वरूप, तत्त्व और प्रमुख विशेषताएँ
2. हिन्दी नाटक का विकास क्रम
3. भारतेन्दु हरिश्चंद्र और हिन्दी नाट्य परंपरा पर उनका प्रभाव

इकाई 2

1. अन्धा युग – डॉ. धर्मवीर भारती
2. आधे–अधूरे – मोहन राकेश

इकाई 3

1. आषाढ़ का एक दिन – मोहन राकेश
2. ध्रुवस्वामिनी – जयशंकर प्रसाद

इकाई 4

1. जयशंकर प्रसाद : नाटककार के रूप में
2. प्रसाद के नाटकों की तत्त्वगत, शैलीगत एवं नाट्य–दृष्टि संबंधी विशेषताएँ

इकाई 5

1. प्रसादोत्तर नाटक
2. आधुनिकता बोध
3. प्रयोगधर्मिता और नाट्य भाषा की प्रवृत्तियाँ

परिणाम

1. हिन्दी नाट्य परंपरा के विकास, उसके ऐतिहासिक चरणों और प्रमुख नाटककारों की रचना–दृष्टि को गहराई से समझ सकेंगे।
2. नाटक की संरचना, पात्र–चित्रण, संवाद–कौशल, नाटकीयता, भाषा, मंच–शिल्प और वैचारिक पृष्ठभूमि का विश्लेषण करने में सक्षम होंगे।
3. रंगमंचीय प्रस्तुति, नाट्य लेखन, संवाद–संरचना तथा अभिनय–कौशल के प्रति उनमें रचनात्मक रुचि और आत्मविश्वास विकसित होगा।

संदर्भ ग्रंथ

1. हिन्दी नाटक और नाट्यशास्त्र – डॉ. लक्ष्मीनारायण लाल, वर्ष 2010
2. भारतेन्दु और हिन्दी नाटक – नगेंद्र, वर्ष 2008

3. आधुनिक हिन्दी नाटक का विकास – देवेंद्रराज अंकुर, वर्ष 2015
4. धर्मवीर भारती के नाटक – रामजी तिवारी, वर्ष 2012
5. मोहन राकेश और नयी नाट्य चेतना – डॉ. रमेश चन्द्र, वर्ष 2016

2 द्वितीय प्रश्न पत्र –

जनसंपर्क और विज्ञापन

उद्देश्य

इस पाठ्यक्रम का मूल उद्देश्य विद्यार्थियों को जनसंपर्क तथा विज्ञापन जैसे तेज़ी से विकसित होते क्षेत्रों की व्यापक समझ प्रदान करना है। पाठ्यक्रम के अध्ययन से वे जनसंपर्क की अवधारणा, तकनीक, प्रक्रियाएँ और नैतिक सिद्धांतों को जानेंगे। साथ ही विज्ञापन की संरचना, भाषा, माध्यमों और इसके सामाजिक–आर्थिक प्रभावों को समझकर वे इस क्षेत्र में पेशेवर अवसरों के लिए प्रेरित होंगे।

इकाई 1 जनसंपर्क अभिप्राय, महत्व, प्रक्रिया

1.जनसंपर्क की परिभाषा और आधारभूत सिद्धांत
2.जनसंपर्क का सामाजिक व संस्थागत महत्व
3.जनसंपर्क प्रक्रिया अनुसंधान, योजना, क्रियान्वयन, मूल्यांकन

इकाई 2 प्रचार एवं जनसंपर्क की भूमिका, आचार संहिता, सरकार और जनसंपर्क

1. प्रचार और जनसंपर्क में अंतर
2. जनसंपर्क की नैतिकता व आचार संहिता
3. सरकारी नीतियों में जनसंपर्क की उपयोगिता

इकाई 3 जनमत सर्वेक्षण, जनसंपर्क और लोकमत निर्माण

1.जनमत का स्वरूप, स्रोत और निर्माण
2.सर्वेक्षण की तकनीकें
3.लोकमत निर्माण में जनसंपर्क की भूमिका

इकाई 4 विज्ञापन अभिप्राय, गुण, प्रकार, माध्यम

1.विज्ञापन का स्वरूप और उद्देश्य
2.विज्ञापन के विविध प्रकार
3.विज्ञापन माध्यम रू प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक, डिजिटल, आउटडोर

इकाई 5 विज्ञापन के अंग, भाषा संरचना, माध्यम के विविध रूप, आचार संहिता

1.विज्ञापन की संरचना कृ हेडलाइन, बॉडी कॉपी, विजुअल्स
2.विज्ञापन भाषा की विशेषताएँ
3.विज्ञापन की नैतिकता और नियमन

परिणाम

1. जनसंपर्क और विज्ञापन के सिद्धांत, तकनीक, विधियाँ और नैतिक आयामों को व्यावहारिक रूप से समझ सकेंगे।
2. कॉर्पोरेट, सरकारी, गैर–सरकारी और शैक्षणिक क्षेत्रों में उपलब्ध रोजगार अवसरों की पहचान कर सकेंगे।
3. प्रेस रिलीज़ लेखन, विज्ञापन संदेश निर्माण, जनमत विश्लेषण तथा संचार प्रबंधन जैसी पेशेवर क्षमताएँ विकसित कर सकेंगे।

संदर्भ ग्रंथ

1. सूचना प्रौद्योगिकी एवं जनमाध्यम : डॉ. निहारिका चतुर्वेदी
2. जनसंपर्क और विज्ञापन : संतोष गोयल
3. पत्रकारिता हेतु लेखन : निशांत सिंह
4. मीडिया लेखन एवं प्रिंट पत्रकारिता : डॉ. यू.सी. गुप्ता
5. जनसंपर्क एवं पत्रकारिता : डॉ. रेशमा नदाफ

3 तृतीय प्रश्न पत्र –

छत्तीसगढ़ी भाषा और साहित्य

उद्देश्य – विद्यार्थियों को छत्तीसगढ़ की भाषा, बोली और साहित्य–संस्कृति से अवगत कराना।

पाठ्यांश

इकाई 1 : छत्तीसगढ़ी भाषा का विकास, छत्तीसगढ़ी भाषा का सामान्य परिचय, छत्तीसगढ़ी भाषा का विकास एवं इतिहास, छत्तीसगढ़ी का व्याकरण, शब्द साधन– संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया, वाच्य, अव्यय (क्रिया विशेषण))

इकाई 2 : छत्तीसगढ़ी भाषा का विस्तार तथा भौगोलिक आधार पर वर्गीकरण, केन्द्रीय छत्तीसगढ़ी, पूर्वी छत्तीसगढ़ी, पश्चिमी छत्तीसगढ़ी, उत्तरी छत्तीसगढ़ी

इकाई 3 : छत्तीसगढ़ी भाषा का साहित्यिक विकास, डॉ. नरेन्द्र देव वर्मा का वर्गीकरण, गाथा युग– सन 1000 से 1500 ई., भक्ति युग– सन 1500 से 1900 ई., आधुनिक युग– सन 1900 से अब तक

इकाई 4 : छत्तीसगढ़ी के प्रमुख कवि एवं प्रतिनिधि रचनाएँ, सुन्दरलाल शर्मा– छत्तीसगढ़ी दानलीला के अंश, नरसिंह दास–सिव के बरात, शुकलाल पाण्डेय– भूलभुलैया, लोचन प्रसाद पाण्डेय– छत्तीसगढ़ वंदना, मुकुटधर पाण्डेय– मेघदूत का छत्तीसगढ़ी संवाद

इकाई 5 : छत्तीसगढ़ी गद्यकार एवं प्रतिनिधि रचनाएँ, श्यामलाल चतुर्वेदी– पर्रा भर लाई, लखन लाल गुप्ता– सुआ हमर संगवारी, पालेश्वर शर्मा– गोरसी के गोठ, केयूर भूषण– कहानी (कालू भगत), सत्यभामा आडिल– रमिया अउ केतकी

परिणाम– विद्यार्थीगण छत्तीसगढ़ राज्य की भाषा, बोली, साहित्य–संस्कृति से अवगत होंगे जिसका लाभ उन्हें छत्तीसगढ़ की प्रतियोगी परिक्षाओं में प्राप्त हो सकेगा।

संदर्भ ग्रंथ

छत्तीसगढ़ी भाषा और साहित्य – डा. सत्यभामा आड़िल
छत्तीसगढ़ का सामान्य ज्ञान – अरिहंत पब्लिकेशन
छत्तीसगढ़ी भाषा और लोक साहित्य – बिहारीलाल साहू
छत्तीसगढ़ी साहित्यः दशा और दिशा –नंदकिशोर तिवारी
छत्तीसगढ़ी साहित्य अऊ साहित्यकार – विनय कुमार पाठक

4 प्रश्न पत्र

छत्तीसगढ़ में पत्रकारिता

उद्देश्य

विद्यार्थियों को छत्तीसगढ़ में पत्रकारिता के ऐतिहासिक विकास, प्रमुख धाराओं व प्रवृत्तियों से परिचित कराना। क्षेत्रीय समाचार–पत्र, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, डिजिटल प्लेटफॉर्म तथा स्थानीय पत्रकारों के योगदान को समझाना। विद्यार्थियों में स्थानीय/क्षेत्रीय मीडिया के प्रति विश्लेषणात्मक दृष्टि, लेखन कौशल और शोध क्षमता विकसित करना।

इकाई 1 छत्तीसगढ़ में पत्रकारिता का इतिहास

1. छत्तीसगढ़ में पत्रकारिता का उद्भव
2. स्वतंत्रता काल में पत्रकारिता की भूमिका
3. प्रारंभिक समाचार–पत्र छत्तीसगढ़ मित्र, छत्तीसगढ़ भारती, रायपुर समाचार
4. क्षेत्रीय–भाषाई (छत्तीसगढ़ी) पत्रकारिता का विकास

इकाई 2 प्रमुख समाचार–पत्र, पत्रिकाएँ व संपादक

1. प्रमुख दैनिक हरिभूमि, नवभारत, दैनिक भास्कर, पत्रिका
2. छत्तीसगढ़ के महत्वपूर्ण संपादक एवं उनका योगदान
3. क्षेत्रीय पत्र–पत्रिकाएँ व उनके विशेष स्तंभ
4. ग्रामीण/जनजातीय क्षेत्रों में पत्रकारिता का स्वरूप

इकाई 3 इलेक्ट्रॉनिक एवं डिजिटल मीडिया

1. दूरदर्शन केंद्र रायपुर स्थापना, कार्यक्रम संरचना व प्रभाव
2. एफ.एम. रेडियो, सामुदायिक रेडियो की भूमिका
3. छत्तीसगढ़ में वेब पोर्टल व डिजिटल न्यूज़ प्लेटफॉर्म
4. डिजिटल पत्रकारिता की चुनौतियाँ व अवसर

इकाई 4 सामाजिक, सांस्कृतिक व राजनीतिक संदर्भ

1. आदिवासी समाज एवं जनजातीय क्षेत्रों में मीडिया की भूमिका
2. सांस्कृतिक पत्रकारिता लोककला, लोकजीवन, उत्सव व परंपराएँ
3. विकास, पर्यावरण, खनन व औद्योगीकरण से संबंधित पत्रकारिता
4. राजनीति और मीडिया चुनाव, लोकमत व मीडिया की भूमिका

इकाई 5 चुनौतियाँ, अवसर और भविष्य

1. क्षेत्रीय पत्रकारों की कार्य–स्थितियाँ, जोखिम व नैतिकता
2. छत्तीसगढ़ में मीडिया शिक्षा, प्रशिक्षण केंद्र व रोजगार
3. मीडिया की स्वतंत्रता, दायित्व, प्रेस कानून और मीडिया नीति
4. छत्तीसगढ़ में पत्रकारिता का भविष्य : डिजिटल व मल्टीमीडिया पत्रकारिता

परिणाम

1. छत्तीसगढ़ में पत्रकारिता के उद्भव, विकास एवं वर्तमान संरचना को समझ पाएँगे।
2. प्रमुख संपादकों, समाचार–पत्रों, मीडिया संस्थानों और उनकी सामाजिक भूमिका का विश्लेषण कर सकेंगे।
3. डिजिटल, इलेक्ट्रॉनिक और क्षेत्रीय मीडिया के संचालन व चुनौतियों को समझकर व्यावहारिक पत्रकारिता की क्षमता विकसित करेंगे।

संदर्भ–ग्रंथ

1. छत्तीसगढ़ में पत्रकारिता – डॉ. एस.एन. मिश्र, 2010
2. छत्तीसगढ़ का मीडिया परिदृश्य – डॉ. विकास तिवारी, 2015
3. हिन्दी पत्रकारिता सिद्धांत और व्यवहार – कमलेश यादव, 2012
4. भारतीय पत्रकारिता का इतिहास – गौरीशंकर सिंह, 2008
5. लोकल पत्रकारिता और मीडिया अध्ययन – डॉ. आर.के. त्रिपाठी, 2016

5 प्रश्न पत्र

विज्ञापन कला

उद्देश्य

1. विद्यार्थियों को विज्ञापन की मूल अवधारणाओं, कला–तत्वों, डिजाइन तथा प्रस्तुति शैली की समझ प्रदान करना।
2. विभिन्न माध्यमोंकृप्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक, डिजिटलकृमें विज्ञापन निर्माण की तकनीकों से परिचित कराना।
3. विद्यार्थियों में रचनात्मक लेखन, विजुअल डिजाइन, ब्रांड निर्माण और मार्केटिंग संप्रेषण की क्षमता विकसित करना।

इकाई 1 विज्ञापन का परिचय

1. विज्ञापन की परिभाषा और अर्थ
2. विज्ञापन का इतिहास और विकास
3. समाज, व्यवसाय और संचार में विज्ञापन की भूमिका
4. विज्ञापन कला के मूलभूत तत्व

इकाई 2 विज्ञापन के प्रकार और माध्यम

1. प्रिंट विज्ञापन (समाचार पत्र, पत्रिकाएँ)
2. इलेक्ट्रॉनिक विज्ञापन (रेडियो, टेलीविजन)
3. डिजिटल विज्ञापन (सोशल मीडिया, वेबसाइट, ऑनलाइन बैनर)
4. आउटडोर विज्ञापन होर्डिंग, पोस्टर, बस–पैनल, सिनेमॉग्राफी

इकाई 3 विज्ञापन निर्माण प्रक्रिया

1. कॉन्सेप्ट डेवलपमेंट, क्रिएटिव ब्रीफ
2. स्लोगन, टैगलाइन, कॉपीराइटिंग के सिद्धांत
3. विजुअल डिज़ाइन रंग, प्रतीक, लेआउट, फोटोग्राफी
4. मॉडल, लोगो, ब्रांडिंग और कहानीदृनिर्माण

इकाई 4 विज्ञापन एजेंसियाँ और प्रबंधन

1. विज्ञापन एजेंसी की संरचना
2. अकाउंट प्लानिंग, मीडिया प्लानिंग, बजट निर्धारण
3. क्रिएटिव विभाग की भूमिका
4. विज्ञापन और उपभोक्ता व्यवहार

इकाई 5 नैतिकता, कानून और समकालीन प्रवृत्तियाँ

1. विज्ञापन में नैतिकता, भाषा और आचार संहिता
2. भ्रामक विज्ञापन और कानूनी प्रावधान
3. बच्चों, महिलाओं और समाज से जुड़े संवेदनशील मुद्दे
4. आधुनिक ट्रेंड इन्फ्लुएंसर मार्केटिंग, वायरल विज्ञापन, ब्रांड स्टोरीटेलिंग

परिणाम

1. विद्यार्थी विज्ञापन की कला, भाषा, शैली और निर्माण की तकनीकों को समझ सकेंगे।
2. वे प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और डिजिटल माध्यमों के लिए रचनात्मक एवं प्रभावी विज्ञापन तैयार करने में सक्षम होंगे।
3. छात्रों में ब्रांडिंग, मीडिया प्लानिंग, कॉपीराइटिंग और विजुअल डिज़ाइन जैसी व्यावसायिक क्षमताएँ विकसित होंगी, जिससे रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

संदर्भ–ग्रंथ

1. विज्ञापन सिद्धांत और व्यवहार – डॉ. ओमप्रकाश तिवारी, 2012
2. विज्ञापन एवं जनसंपर्क – डॉ. शंकर शर्मा, 2015
3. "Advertising Principles and Practice" – William Wells 2006
4. "Modern Advertising" – Charles Sandage 2009
5. "Creative Advertising" – Mario Pricken 2008
6. हिन्दी विज्ञापन कला– रमेश चंद्र, 2014

6 Paper- (IKS)

भारतीय ज्ञान प्रणाली और दर्शन

उद्देश्य

1. विद्यार्थियों को भारतीय ज्ञान परंपरा, वेद, उपनिषद, दर्शन की मूल अवधारणाओं से परिचित कराना।
2. भारतीय और पाश्चात्य ज्ञान प्रणाली के अंतर तथा विविध दार्शनिक धाराओं को समझाना।
3. प्राचीन से आधुनिक भारत तक मूल्य, नैतिकता, भक्ति, पुनर्जागरण व दर्शन के विकास की समग्र दृष्टि देना।

भारतीय ज्ञान परंपरा का परिचय

इकाई–1 भारतीय ज्ञान प्रणाली की अवधारणा

इकाई–2 वेद उपवेद, वेदांग, दर्शन पुराण आदि का परिचय

इकाई–3 ज्ञान के स्त्रोतः श्रुति, स्मृति, तर्क और अनुभव

इकाई–4 भारतीय और पाश्चात्य ज्ञान प्रणाली में अंतर

वेद और वेदांग

इकाई–5 वेदो की संरचनाः. ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद, अर्थवेद

इकाई–6 वेदो का साहित्यिक और दार्शनिक पक्ष

इकाई–7 वेदांगः शिक्षा, कल्प, व्याकरण, निरूक्त, छंद, ज्योतिष

इकाई–8 वेदो में सामाजिक और नैतिक मूल्यों की अभिव्यक्ति

इकाई–9 उपनिषद और दर्शन, मोक्ष की अवधारणा, षट्दर्शन, सांख्य और योग दर्शन

महाकाव्य , पुराण और नीति–साहित्य

इकाई–10 रामायण और महाभारत में दर्शन और मूल्य

इकाई–11 पुराणों का ज्ञान लोकनृत्य और दर्शन

इकाई–12 नीति ग्रंथ, चाणक्य नीति, हितोपदेश, पंचतंत्र

इकाई–13 स्त्री दृष्टिकोण और सामाजिक संरचना

मध्यकालीन एवं आधुनिक भारतीय दर्शन और साहित्य

इकाई–14 भक्ति आंदोलन, ज्ञान मार्ग, प्रेममार्ग, और सूफीवाद

इकाई–15 तुलसीदास, कबीर, मीराबाई का दर्शन और भक्ति

इकाई–16 भारतीय पुनर्जागरण में दर्शन की भूमिका

परिणाम

1. विद्यार्थी भारतीय ज्ञान परंपरा, वेद,वेदांग–उपनिषद,पुराण के दार्शनिक व सांस्कृतिक स्वरूप को समझ सकेंगे।
2. भारतीय दर्शन,सांख्य, योग, न्याय, वेदान्त और भक्ति, सूफी, पुनर्जागरण की अवधारणाओं का विश्लेषण कर सकेंगे।
3. नीति–साहित्य, सामाजिक, नैतिक मूल्यों और पाश्चात्य ज्ञान–परंपरा से तुलनात्मक अध्ययन की क्षमता विकसित होगी।

संदर्भ–ग्रंथ

1. भारतीय दर्शन : डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन (1923), इंडियन फिलॉसफी ,राधाकृष्णन (1927)
2. भारतीय ज्ञान परंपरा : कपिल कपूर (2019), उपनिषद कृ स्वामी रामतीर्थ संस्करण (1914)
3. महाभारत–गांगुली अनुवाद (1883–96), चाणक्य नीति, विश्वनाथ प्रसाद मिश्र (1962), कबीर ग्रंथावली, द्विवेदी (1958)

7 **(SEC)**

IT Skills

Word Processing

Unit 1: Working with Documents

Unit 2: Page Styling and Formatting

Unit 3: Inserting Illustrations

Unit 4: Word Document Review

Unit 5: Mail merge

Spreadsheet

Unit 6: Introduction to Spreadsheet

Unit 7: Insert Tab

Unit 8: Formula Tab

Presentation

Unit 9: Introduction to Presentation

Unit 10: Slide Layout

Unit 11: Adding Graphics to the Presentation

HTML Basics

Unit 12: Introduction to HTML

Unit 13: CSS: Styling the Web

Unit 14: Introduction to HTML Forms

Web Designing

Unit 15: Introduction to Web Designing Tools

Unit 16: Publishing a Post

Unit 17: Inserting Content to Webpage

Semester- V
CORE COURSES

1 प्रथम प्रश्न पत्र – उपन्यास साहित्य

उद्देश्य

1. विद्यार्थियों को हिन्दी उपन्यास के अतीत, विकास और आधुनिक स्वरूप की समग्र जानकारी प्रदान करना।
2. विभिन्न उपन्यासकारों की कथन–शैली, रचनात्मक विशेषताओं और उपन्यास कला से विद्यार्थियों को परिचित कराना।
3. उपन्यास लेखन की रचना–प्रक्रिया, तकनीक और सामाजिक संदर्भों को समझने की क्षमता विकसित करना।

इकाई 1 उपन्यास : उद्‌भव एवं विकास

1. उपन्यास की परिभाषा
2. उद्‌भव की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि
3. हिन्दी उपन्यास का क्रमिक विकास

इकाई 2 प्रेमचंद युगीन उपन्यास एवं उपन्यासकार

1. प्रेमचंद का उपन्यास साहित्य
2. युगीन पृष्ठभूमि और सामाजिक यथार्थ
3. अन्य समकालीन उपन्यासकारों का योगदान

इकाई 3 सारा आकाश एराजेन्द्र यादव

1. कथानक, पात्र–चित्रण
2. मनोवैज्ञानिक यथार्थ
3. भाषा, शैली एवं विचारधारा

इकाई 4 मैला आँचल (पूर्वार्ध) : फणीश्वरनाथ रेणु

1. आंचलिकता का स्वरूप
2. ग्रामीण समाज का यथार्थ
3. कथा–विन्यास एवं रचना–कला

इकाई 5 मैला आँचल (उत्तरार्ध) कृ फणीश्वरनाथ रेणु

1. पात्रों का विकास
2. सामाजिक–राजनीतिक पृष्ठभूमि
3. रेणु की कथा–शैली एवं वर्णन–शक्ति

परिणाम

1. विद्यार्थी विभिन्न उपन्यासकारों की कथा–शैली, कथानक–निर्माण और पात्र–चित्रण की विशेषताओं को समझ सकेंगे।
2. उपन्यास लेखन की रचनात्मकता, शिल्प, संरचना और तकनीक का ज्ञान प्राप्त होगा।
3. अध्ययन के द्वारा विद्यार्थियों की सृजनात्मक प्रतिभा, आलोचनात्मक दृष्टि और साहित्यिक समझ में उल्लेखनीय विकास होगा।

संदर्भ–ग्रंथ

1. मैला ऑचल : फणीश्वर नाथ रेणु
2. हिन्दी उपन्यास : रामदरश मिश्र
3. आज का हिन्दी उपन्यास : इन्द्रनाथ मदान
4. .सारा अकाश : राजेन्द्र यादव
5. .हिन्दी उपन्यास : शिवनारयण श्रीवास्तव

2 द्वितीय प्रश्न पत्र –

प्रयोगवाद एवं नई कविता

उद्देश्य

प्रयोगवादी काव्य और नई कविता की प्रमुख अवधारणाओं, प्रवृत्तियों, कला–संरचना तथा प्रमुख कवियों के रचनात्मक योगदान से विद्यार्थियों को परिचित कराना, ताकि वे आधुनिक काव्य–परंपरा को व्यापक दृष्टि से समझ सकें।

इकाई 1 प्रयोगवादी काव्यधारा

1. प्रतीकवाद, बिम्बवाद, अति–यथार्थवाद, प्रभाववाद, अस्तित्ववाद
2. प्रयोगवादी काव्यधारा का विकास
3. प्रयोगवाद की प्रमुख विषयगत व शिल्पगत प्रवृत्तियाँ

इकाई 2 प्रयोगवाद के पुरस्कर्ता : अज्ञेय

1. अज्ञेय का काव्य–दर्शन, भाषा–शैली, प्रयोगधर्मिता और काव्य–संरचना
2. आधुनिकता और वैचारिक चेतना का विश्लेषण

इकाई 3 नई कविता : परिचय व प्रमुख कवि

1. नई कविता की ऐतिहासिक और साहित्यिक पृष्ठभूमि
2. नागार्जुन की प्रमुख कविताएँ
3. अकाल और उसके बाद
4. बादल को घिरते देखा है
5. यह तुम थी
6. शिशिर विषकन्या
7. सिन्दूर तिलकित भाल

इकाई 4 प्रयोगवाद, नई कविता और अज्ञेय

1. दोनों धाराओं के बीच संबंध
2. अज्ञेय का योगदान, विचारधारा, चिंतन, नवाचारी प्रयोग
3. आधुनिक काव्य के विकास में अज्ञेय की केंद्रीय भूमिका

इकाई 5 नई कविता के महत्वपूर्ण प्रतिनिधि : मुक्तिबोध

1. मुक्तिबोध का रचना संसार
2. अंधेरे में, बोध की संवेदना, वैचारिक तीव्रता
3. नयी कविता के रूप–संरचना और सामाजिक चेतना का विश्लेषण

परिणाम

1. विद्यार्थी समयानुसार काव्य में हुए परिवर्तनों, आधुनिकता और प्रयोगधर्मी प्रवृत्तियों को गहराई से समझ सकेंगे।
2. प्रयोगवाद और नई कविता की भाषा, शैली, संरचना और विचारधारा का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
3. अज्ञेय और मुक्तिबोध जैसे रचनाकारों के अध्ययन से उनकी साहित्यिक समझ, विश्लेषण क्षमता और रचनात्मक प्रतिभा का विकास होगा।

संदर्भ–ग्रंथ

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास : नागेन्द्र – हरदयाल
2. नई कविता और अस्तित्ववाद : रामविलास शर्मा
3. अज्ञेय और नई कविता : चंद्रकला त्रिपाठी
4. मुक्तिबोध–ज्ञान और संवेदना : नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
5. समकालीन हिन्दी कविता : विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
6. नागार्जुन की आचंलिक सर्जना का मुल्यांकन : डॉ. प्रभुशंकर शुक्ल

3 तृतीय प्रश्न पत्र –

पत्रकारिता में प्रेस कानून और आचार संहिता

उद्देश्य

पत्रकारिता के क्षेत्र में लागू प्रमुख प्रेस कानूनों, मीडिया से जुड़े विधिक प्रावधानों, प्रेस की स्वतंत्रता, दायित्वों तथा आचार संहिता के मानकों से विद्यार्थियों को परिचित कराना, ताकि वे पत्रकारिता के व्यावहारिक क्षेत्र में जिम्मेदार और नैतिक दृष्टि के साथ कार्य कर सकें।

इकाई 1 प्रमुख प्रेस विधि और मीडिया संबंधी अधिनियम

1. प्रेस की स्वतंत्रता और संवैधानिक आधार
2. प्रेस एवं पुस्तक पंजीकरण अधिनियम
3. कॉपीराइट एक्ट
4. औषधि और जादू–टोना उपचार अधिनियम
5. प्रेस पर कानूनी दायित्व और प्रतिबंध

इकाई 2 अवमानना

1. न्यायालय अवमानना की संकल्पना
2. प्रेस और न्यायपालिका संबंध
3. मीडिया रिपोर्टिंग पर कानूनी सीमाएँ

इकाई 3 मानहानि

1. सिविल एवं आपराधिक मानहानि
2. मीडिया में मानहानि के सामान्य उदाहरण
3. पत्रकारों के लिए सावधानियाँ और कानूनी प्रावधान

इकाई 4 श्रमजीवी पत्रकार और समाचार पत्र अधिनियम

1. कार्य–परिस्थितियाँ
2. वेतन, अधिकार और सुरक्षा
3. समाचार संस्थानों में पत्रकारों के अधिकार एवं दायित्व

इकाई 5 प्रेस परिषद और एडिटर्स गिल्ड

1. प्रेस परिषद का गठन, उद्देश्य और शक्तियाँ
2. मीडिया की आचार संहिता
3. एडिटर्स गिल्ड की भूमिका और पत्रकारिता में नैतिक मानक

परिणाम

1. विद्यार्थी प्रेस कानून, मीडिया अधिनियमों और नैतिक आचार संहिता से भली–भाँति परिचित हो सकेंगे।
2. पत्रकारिता में कानूनी सावधानियाँ, जिम्मेदारियाँ और नैतिक मूल्यों को समझकर वे सुरक्षित और संतुलित रूप से कार्य कर पाएँगे।
3. मीडिया संस्थानों, प्रेस परिषद और अन्य संगठनों की भूमिका समझकर विद्यार्थी व्यावहारिक पत्रकारिता में अधिक दक्षता और सफलता प्राप्त करेंगे।

संदर्भ–ग्रंथ

1. आधुनिक पत्रकारिता : डॉ. अर्जुन तिवारी
2. हिन्दी पत्रकारिता के कीर्तिमान : जगदीश प्रसाद चतुर्वेदी
3. जनसंचार सिद्धांत एवं अनुप्रयोग : विष्णु राजगढ़िया
4. पत्रकारिता प्रबंध : प्रियंका, राकेश नैम
5. हिन्दी समाचार पत्रों का इतिहास : अम्बिका प्रसाद वाजपेयी
6. संपूर्ण पत्रकारिता : डॉ. अर्जुन तिवारी
7. भारतीय पत्रकारिता (मुद्दे और अपेक्षाएं) : बबन प्रसाद मिश्र

4 चतुर्थ प्रश्न पत्र –

यात्रा साहित्य

उद्देश्य

यात्रा साहित्य की विशिष्ट विधा, उसके ऐतिहासिक विकास, स्वरूप, शैली और प्रमुख रचनाकारों के योगदान से विद्यार्थियों को परिचित कराना, ताकि वे यात्रा–वर्णन की तकनीक, भाषा–शैली और अनुभव की अभिव्यक्ति को समझ सकें।

इकाई 1 यात्रा साहित्य : स्वरूप, उद्भव और विकास

यात्रा साहित्य का इतिहास, विकासक्रम
यात्रा–वर्णन की प्रमुख विशेषताएँ
अन्य विधाओं (आत्मकथा, संस्मरण, रेखाचित्र, रिपोर्ताज) से यात्रा साहित्य का संबंध और अंतर

इकाई 2 राहुल सांकृत्यायन :मेरी तिब्बत यात्रा

विश्व–यात्री राहुल के लेखन की विशिष्टताएँ
तिब्बत यात्रा के प्रसंग, सामाजिक–सांस्कृतिक चित्र
भाषा, वर्णन–शैली और अनुभव की गहराई

इकाई 3 रामवृक्ष बेनीपुरी पैरों में पंख बाँधकर

बेनीपुरी की यात्रीय दृष्टि
प्रकृति, संस्कृति और मानवीय संवेदना का चित्रण
भाषा–शैली, घटनाओं का संगठन

इकाई 4 निर्मल वर्मा चीड़ों पर चाँदनी

संवेदनात्मक यात्रा–वर्णन
अनुभव, वातावरण–निर्माण और मनोवैज्ञानिक गहराई
साहित्यिक सौंदर्य और शैलीगत विशेषताएँ

इकाई 5 अज्ञेय एवं रामधारी सिंह दिनकर यात्रीय लेखन

अज्ञेय : अरे यायावर याद रहेगा, एक बूंद सहसा उछली यात्राओं का दार्शनिक आयाम
रामधारी सिंह दिनकर : मेरी यात्राएँ सामाजिक दृष्टि, वैचारिकता और अनुभव–वर्णन

परिणाम

1. विद्यार्थी यात्रा साहित्य की विधागत विशेषताओं, शैली, संरचना और उद्देश्यों को स्पष्ट रूप से समझ सकेंगे।
2. प्रमुख यात्राकारों के लेखन के माध्यम से विभिन्न देशों एवं क्षेत्रों की सामाजिक, सांस्कृतिक व ऐतिहासिक जानकारी प्राप्त होगी।
3. यात्रा–वर्णन की कला सीखकर विद्यार्थी अपने स्वयं के यात्रा लेखन में कुशलता, प्रवाह और अभिव्यंजना विकसित कर सकेंगे।

संदर्भ–ग्रंथ

1. हिन्दी का यात्रा साहित्य एक विंहगम दृष्टि : विश्व मोहन तिवारी
2. स्वातंत्रयोत्तर यात्रा साहित्य का विश्लेषणात्मक अध्ययन : अनिल कुमार
3. मेरी जीवन यात्रा : राहुल सास्कृत्यायन
4. अरे यायावर याद रहेगा : सच्चिदानंद हीरानंद वात्सयायन अज्ञेय
5. गंगा से मिसीसिपी तक : श्यामाचरण शुक्ल

5 प्रश्न पत्र

मल्टीमीडिया

उद्देश्य

1. मल्टीमीडिया की संकल्पना, उसके घटक, हार्डवेयरदृसॉफ्टवेयर, डिजाइन सिद्धांत, वेब एवं जनसंचार में इसके उपयोग से विद्यार्थियों को परिचित कराना।
2. उन्हें मल्टीमीडिया सामग्री निर्माण, संपादन, प्रस्तुति और संचार के डिजिटल स्वरूपों में दक्ष बनाना।
3. मल्टीमीडिया की भूमिका, नैतिकता, कॉपीराइट और डिजिटल अधिकारों के प्रति जागरूक करना।

मल्टीमीडिया का परिचय

इकाई– 1 मल्टीमीडिया की परिभाषा और स्वरूप

इकाई– 2 मल्टीमीडिया के घटकः पाठ, ग्राफिक्स, ऑडियो, वीडियो, एनीमेशन

इकाई– 3 मल्टीमीडिया की विशेषताएँ और उपयोगिता, जनसंचार में मल्टीमीडिया की भूमिका

मल्टीमीडिया हार्डवेयर एवं सॉफ्टवेयर

इकाई– 4 इनपुट एवं आउटपुट डिवाइस (कीबोर्ड, माउस, स्कैनर, कैमरा आदि)

इकाई– 5 संग्रहण उपकरण (CD, DVD) पेन ड्राइव, हार्ड डिस्क)

इकाई– 6 मल्टीमीडिया सॉफ्टवेयरः फोटोशॉप, प्रीमियर प्रो, ऑडेसिटी, फ्लैश आदि

मल्टीमीडिया डिज़ाइन और विकास

इकाई– 7 मल्टीमीडिया डिज़ाइन के सिद्धांत

इकाई– 8 स्टोरीबोर्ड और स्क्रिप्ट लेखन

इकाई– 9 यूज़र इंटरफेस डिज़ाइन, इंटरएक्टिव मल्टीमीडिया

वेब और मल्टीमीडिया

इकाई– 10 वेब डिज़ाइन का परिचय

इकाई– 11 ऑनलाइन पत्रकारिता में मल्टीमीडिया का उपयोग, स्ट्रीमिंग मीडिया और वेब प्रकाशन

जनसंचार में मल्टीमीडिया का प्रयोग

इकाई– 12 समाचार मीडिया, विज्ञापन और जनसंपर्क में मल्टीमीडिया का प्रयोग, डिजिटल पत्रकारिता में मल्टीमीडिया की भूमिका, मल्टीमीडिया स्टोरीटेलिंग के उदाहरण, नैतिकता, कॉपीराइट और डिजिटल अधिकार

परिणाम

1. विद्यार्थी मल्टीमीडिया के विभिन्न घटकों, हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर और डिजाइन सिद्धांतों को समझकर तकनीकी दक्षता प्राप्त करेंगे।
2. वे मल्टीमीडिया सामग्री निर्माण, संपादन, वेब डिजाइन और डिजिटल प्रस्तुति में व्यावहारिक कौशल विकसित

करेंगे।

3. जनसंचार, पत्रकारिता, विज्ञापन और डिजिटल मीडिया में मल्टीमीडिया के प्रभावी प्रयोग को समझ सकेंगे।
4. डिजिटल मीडिया नैतिकता, कॉपीराइट और ऑनलाइन अधिकारों के प्रति सजग होकर उत्तरदायी मीडिया कार्यकर्ता बन सकेंगे।

संदर्भ–ग्रंथ

1. Tay Vaughan – Multimedia: Making It Work 1993
2. Nigel Chapman & Jenny Chapman – Digital Multimedia 2000
3. Suman Deb – Multimedia Systems and Applications 2003
4. Ramesh Bangia – Multimedia and Web Technology 2007
5. Adobe Creative Suite Manuals – Photoshop, Premiere, Audition ,Various Editions

6 SEC

पटकथा लेखन

उद्देश्य

इस पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को पटकथा लेखन की मूल प्रक्रिया, तकनीकों, कथानक–निर्माण, दृश्य–संरचना, संवाद–लेखन तथा सिनेमाई प्रस्तुति की बारीकियों से परिचित कराना है। विद्यार्थियों में रचनात्मक लेखन, कल्पनाशीलता, दृश्यात्मक सोच और फिल्म/टीवी/वेब–सीरीज़ के लिए पटकथा तैयार करने की क्षमता विकसित करना इस पाठ्यक्रम का प्रमुख लक्ष्य है।

इकाई 1 पटकथा लेखन का परिचय

1. पटकथा की परिभाषा, स्वरूप और विशेषताएँ
2. कहानी, कथानक और पटकथा का अंतर
3. दृश्य अनुक्रम और एक्ट संरचना
4. पटकथा के प्रकार, फ़िल्म, टीवी, डॉक्यूमेंट्री, वेब–सीरीज़

इकाई 2 कथा–विन्यास और चरित्र–निर्माण

1. कहानी का स्रोत, प्रेरणा, विषय
2. चरित्र–निर्माण नायक, खलनायक, सहचरित्र
3. चरित्र–आर्क, संघर्ष
4. नाटकीयता और दृश्यात्मक प्रस्तुति

इकाई 3 संवाद लेखन और दृश्य–संरचना

1. प्रभावी संवाद के गुण
2. संवाद और उपपाठ
3. दृश्य लेखन की तकनीक, लोकेशन, समय
4. नैरेशन, वॉयसओवर और सिनेमाई भाषा

इकाई 4 पटकथा लेखन की प्रक्रिया

1. लॉगलाइन, सिनॉप्सिस, ट्रीटमेंट
2. तीन–अंक संरचना
3. स्टोरीबोर्ड और शॉट डिवीजन
4. रफ ड्राफ्ट, री–राइट और फीडबैक

इकाई 5 मीडिया में पटकथा लेखन

1. फिल्म, टीवी, डॉक्यूमेंट्री और न्यू मीडिया की पटकथा
2. विज्ञापन फिल्मों की पटकथा
3. रेडियो नाटक और ऑडियो कहानी के लिए लेखन
4. कॉपीराइट, नैतिकता और लेखकीय अधिकार

परिणाम

1. दृश्यात्मक और रचनात्मक लेखन की दक्षता विकसित करेंगे।
2. पटकथा की संरचना, चरित्र–निर्माण, संवाद और दृश्य–लेखन की प्रक्रिया को समझ पाएँगे।
3. फिल्म, टीवी, रेडियो, वेब–सीरीज़ और डॉक्यूमेंट्री के लिए पटकथा तैयार करने की क्षमता विकसित करेंगे।
4. स्टोरीबोर्ड, सिनॉप्सिस, ट्रीटमेंट और पूर्ण पटकथा तैयार कर सकेंगे।
5. मीडिया क्षेत्रकृफिल्म इंडस्ट्री, डिजिटल मीडिया, विज्ञापन, टीवी चौनल तथा ओटीटी प्लेटफॉर्म में अवसरों के लिए तैयार होंगे।

संदर्भ–ग्रंथ

1. पटकथा लेखन – सत्य कुमार, 2010
2. 'द आर्ट ऑफ स्क्रीनराइटिंग – विलियम मिलर, 1998
3. 'स्क्रीनप्लेः द फाउंडेशंस ऑफ स्क्रीनराइटिंग' – सिड फील्ड, 2005
4. 'द हीरो विद अ थाउज़ेंड फेसेस' – जोसेफ कैंपबेल, 2004
5. 'स्टोरी सब्स्टेंस, स्ट्रक्चर, स्टाइल' – रॉबर्ट मैकी, 1997
6. 'फिल्म स्क्रिप्ट राइटिंग' –दलेप सिंह, 2012
7. "The Anatomy of Story" – John Truby 2007
8. "Writing for Visual Media" – Anthony Friedman, 2006

Semester- VI
CORE COURSES

1 प्रथम प्रश्न पत्र –

गद्य की अन्य विधाएँ

उद्देश्य

इस पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को हिन्दी गद्य साहित्य की विविध विधाओंकृजैसे रेखाचित्र, आत्मकथा, डायरी लेखन, संस्मरण, पत्र साहित्य तथा एकांकीकृका व्यापक ज्ञान प्रदान करना है। विद्यार्थी इन विधाओं की प्रकृति, शैली, संरचना और अभिव्यक्ति के तत्वों को समझ सकेंगे। इसके साथ ही वे रचनाकारों की जीवन–दृष्टि, सामाजिक संवेदना तथा साहित्यिक योगदान को भी गहराई से जान पाएँगे। यह पाठ्यक्रम लेखन–कौशल एवं रचनात्मक अभिव्यक्ति को विकसित करने में सहायक होगा।

इकाई 1 गद्य की अन्य विधाओं का परिचय

1. रेखाचित्र स्वरूप, विशेषताएँ, भाषा–शैली
2. आत्मकथा उद्देश्य, संरचना, कथन–शिल्प
3. संस्मरण भावात्मकता, घटनात्मकता, व्यक्तित्व–चित्रण
4. डायरी लेखन तात्कालिकता, निजी अनुभव, अभिव्यक्ति
5. पत्र साहित्य संवाद शैली, साहित्यिक मूल्य
6. एकांकी कथ्य, चरित्र, संवाद, दृश्य–निर्माण

इकाई 2 आत्मकथा

1. हरिवंश राय बच्चन क्या भूलूँ क्या याद करूँ
2. जीवन की शुरुआती परिस्थितियाँ
3. साहित्यिक यात्रा का आरंभ
4. पारिवारिक और सामाजिक परिवेश
5. भाषा–शैली एवं आत्मकथात्मक संकेत

इकाई 3 रेखाचित्र

1. रामवृक्ष बेनीपुरी : माटी की सूरतें
2. ग्रामीण जीवन–चित्र
3. लोकजीवन की सादगी और संघर्ष
4. रेखाचित्र का कलात्मक रूप
5. महादेवी वर्मा अतीत के चलचित्र
6. स्मृतियों में अंकित व्यक्तित्व
7. संवेदनात्मक एवं काव्यात्मक भाषा
8. मानवीय करुणा और जीवन–चित्रण

इकाई 4 संस्मरण

1. हरिशंकर परसाई मुक्तिबोध एक संस्मरण
2. मुक्तिबोध का व्यक्तित्व व साहित्यिक संघर्ष
3. परसाई की व्यंग्य–शैली
4. संस्मरण में व्यक्त संवेदनाएँ और जीवन–दर्शन

इकाई 5 एकांकी

1. उपेंद्रनाथ अश्क सूखी डाली
2. पारिवारिक संबंध, मनोवैज्ञानिक अंतर्दृष्टि
3. चरित्र–चित्रण, संवाद–कौशल
4. परिस्थितियों के माध्यम से सामाजिक यथार्थ प्रस्तुत करना

परिणाम

1. गद्य साहित्य की विविध विधाओं की मूल विशेषताओं से परिचित होंगे।
2. आत्मकथा, रेखाचित्र, संस्मरण और एकांकी के कथ्य व शिल्प को समझ सकेंगे।
3. महत्वपूर्ण हिन्दी रचनाकारों की रचनात्मकता, भाषा–शैली और साहित्यिक योगदान का अध्ययन कर पाएँगे।
4. अपनी लेखन–प्रतिभा को रचनात्मक रूप से विकसित कर सकेंगे।
5. भावात्मक, विश्लेषणात्मक और अभिव्यक्तिपूर्ण लेखन में दक्षता प्राप्त करेंगे।

संदर्भ–ग्रंथ

1. आधुनिक हिन्दी साहित्य का विकास : लक्ष्मी सागर वाष्णेर्य
2. क्या भूंलूं क्या याद करु : हरिवंश राय बच्चन
3. रामवृक्षबेनी पुरी के रेखाचित्र एक अध्ययन साहित्य : रशमी चर्तुवेदी
4. रामवृक्ष बेनीपुरी रचना संचयन : मस्तराम कपूर.
5. भारतीय सीहत्य के निर्माता शिवदान सिंह चौहान : पुरषोत्तम अग्रवाल
6. रेणु रचना संचयन : भारत यायावर

2 द्वितीय प्रश्न पत्र

सूचना प्रौद्योगिकी और पत्रकारिता

उद्देश्य

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को पत्रकारिता में सूचना प्रौद्योगिकी की भूमिका, उपयोगिता और महत्व से अवगत कराना है, ताकि वे आधुनिक मीडिया उपकरणों, डिजिटल तकनीकों और संचार माध्यमों के साथ कार्य करने की व्यावहारिक दक्षता विकसित कर सकें।

इकाई 1 सूचना प्रौद्योगिकी –अभिप्राय एवं महत्व

1. सूचना प्रौद्योगिकी की परिभाषा
2. पत्रकारिता में सूचना प्रौद्योगिकी का योगदान
3. डिजिटल उपकरणों और सॉफ्टवेयर की भूमिका

इकाई 2 मल्टीमीडिया

1. मल्टीमीडिया की अवधारणा एवं घटक
2. पत्रकारिता में मल्टीमीडिया का प्रयोग
3. ऑडियो, वीडियो, ग्राफिक्स, एनीमेशन

इकाई 3 ई–जर्नलिज्म

1. ऑनलाइन समाचार पोर्टल
2. वेब पत्रकारिता की भाषा, शैली और विशेषताएँ
3. सोशल मीडिया आधारित पत्रकारिता

इकाई 4 खोजी पत्रकारिता (Investigative Journalism)

1. खोजी पत्रकारिता की अवधारणा
2. डिजिटल टूल्स और डेटा–आधारित रिपोर्टिंग
3. सूचना का अधिकार व ऑनलाइन स्रोत

इकाई 5 पीत पत्रकारिता एवं पैड न्यूज़ संस्कृति

1. पीत पत्रकारिता की प्रवृत्तियाँ
2. पैड न्यूज़ कारण, प्रभाव और चुनौतियाँ
3. पत्रकारिता में नैतिकता और जिम्मेदारी

परिणाम

1. विद्यार्थी पत्रकारिता के क्षेत्र में उपयोग होने वाले विभिन्न डिजिटल उपकरणों और तकनीकों का ज्ञान प्राप्त करेंगे।
2. मल्टीमीडिया, ई–जर्नलिज्म और खोजी पत्रकारिता के आधुनिक स्वरूपों को समझेंगे।
3. पीत पत्रकारिता और पैड न्यूज़ जैसी समस्याओं के प्रति जागरूकता विकसित होगी।
4. डिजिटल पत्रकारिता में आवश्यक तकनीकी कौशल सीखकर भविष्य के करियर हेतु तैयार होंगे।

संदर्भ–ग्रंथ

1.	टेलीविजन की भाषा	:	हरीशचंद्र वर्णवाल
2.	पत्रकारिता के नए आयाम	:	एस.के. दुबे
3.	आधुनिक पत्रकारिता	:	डॉ. अनुज तिवारी
4.	मीडिया विमर्श	:	रामशरण जोशी
5.	सामयिक मीडिया शब्दकोश	:	हर्षदेव

3 तृतीय प्रश्न पत्र –

अस्मितामूलक विमर्श और हिन्दी साहित्य

उद्देश्य – हिन्दी साहित्य की विभिन्न विचारधाराओं, आंदोलन एवं उससे प्रभावित साहित्य से अवगत कराना।

पाठ्यांश

इकाई 1 : अस्मितामूलक विमर्श का अर्थ, परिभाषा एवं हिन्दी साहित्य में अस्मितामूलक विमर्श

इकाई 2 : स्त्री विमर्श – अवधारणा, स्वरूप, आंदोलन

इकाई 3 : दलित विमर्श – अवधारणा, स्वरूप, आंदोलन

इकाई 4 : आदिवासी विमर्श – अवधारणा, स्वरूप, आंदोलन

इकाई 5 : विमर्शमूलक कथा साहित्य – ओमप्रकाश वाल्मिकी – सलाम, नासिरा शर्मा – खुदा की वापसी

परिणाम– विद्यार्थियों को अस्मितामूलक विमर्श के अंतर्गत विभिन्न विचारधाराओं की जानकारी प्राप्त होगी एवं उनमें सामाजिक चेतना का विकास होगा।

संदर्भ–ग्रंथ

1. हिन्दी साहित्य की भूमिका हजारी प्रसाद द्विवेदी :
2. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकासः रामस्वरूप चतुर्वेदी
3. परिधि पर स्त्रीः मृणाल पाण्डे
4. खुली खिड़कियाँ : मैत्रेयी पुष्पा
5. आधुनिकता के आइने में दलित : अभय कुमार दुबे

4 Minor

न्यू मीडिया New Media

उद्देश्य

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को डिजिटल युग में उभरते संचार माध्यमोंकृवेब मीडिया, सोशल मीडिया, मोबाइल पत्रकारिता, डिजिटल कंटेंट निर्माण, ऑनलाइन संवाद और सूचना–प्रौद्योगिकी आधारित मीडिया की प्रकृति, संरचना और प्रभावों से परिचित कराना है। पाठ्यक्रम का लक्ष्य विद्यार्थियों में डिजिटल साक्षरता, तकनीकी दक्षता, मीडिया–आलोचना क्षमता तथा न्यू मीडिया के नैतिक मानदंडों की समझ विकसित करना है, जिससे वे आधुनिक मीडिया परिवेश में सृजनात्मक रूप से कार्य कर सकें।

इकाई 1 न्यू मीडिया का परिचय

1. न्यू मीडिया की परिभाषा, अवधारणा और विशेषताएँ
2. पारंपरिक मीडिया एवं न्यू मीडिया का तुलनात्मक अध्ययन
3. इंटरनेट, वेब 2.0, वेब 3.0 की मूल अवधारणाएँ
4. डिजिटल क्रांति और समाज

इकाई 2 सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स

1. फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब, व्हाट्सऐप
2. सोशल मीडिया की भाषा, शैली और व्यवहार
3. मीम संस्कृति, इन्फ्लुएंसर संस्कृति, डिजिटल ट्रेंड
4. सोशल मीडिया के सामाजिक, सांस्कृतिक एवं राजनीतिक प्रभाव

इकाई 3 डिजिटल पत्रकारिता

1. ऑनलाइन न्यूज़ पोर्टल्स स्वरूप एवं कार्यप्रणाली
2. मोबाइल पत्रकारिता
3. डिजिटल रिपोर्टिंग, लाइव स्ट्रीमिंग, पॉडकास्ट
4. ई–पत्रकारिता की विश्वसनीयता, तथ्य–जांच

इकाई 4 न्यू मीडिया तकनीक और उपयोग

1. ब्लॉगिंग, व्लॉगिंग, पॉडकास्टिंग
2. कंटेंट क्रिएशन टूल्स, एडिटिंग टूल्स
3. एल्गोरिदम, SEO (Search Engine Optimization), SMO
4. डिजिटल मार्केटिंग के मूल तत्व

इकाई 5 न्यू मीडिया की चुनौतियाँ एवं नैतिकता

1. फेक न्यूज़, ट्रोलिंग, साइबर अपराध
2. डेटा सुरक्षा और गोपनीयता
3. डिजिटल नैतिकता
4. सूचना का दुरुपयोग, डिजिटल विभाजन
5. आईटी Act की प्रमुख धाराएँ (परिचयात्मक स्तर पर)

परिणाम

1. न्यू मीडिया की अवधारणा, उपयोग और प्रभाव को गहराई से समझ पाएँगे।
2. सोशल मीडिया, डिजिटल प्लेटफॉर्म्स और ऑनलाइन पत्रकारिता की कार्यप्रणाली से परिचित होंगे।
3. डिजिटल कंटेंट बनाने, संपादित करने और प्रकाशित करने की दक्षता विकसित करेंगे।
4. डिजिटल नैतिकता, फेक न्यूज़ और साइबर सुरक्षा के महत्व को समझेंगे।
5. आधुनिक मीडिया उद्योग में रोजगार के नए अवसरोंकृजैसे डिजिटल मार्केटिंग, कंटेंट राइटिंग, सोशल मीडिया मैनेजमेंट इत्यादि की जानकारी प्राप्त करेंगे।

संदर्भ–ग्रंथ

1. न्यू मीडिया : अवधारणा, स्वरूप और परिप्रेक्ष्य – अर्चना शर्मा, 2016

2. डिजिटल मीडिया : सिद्धांत और व्यवहार – आलोक जोशी, 2018

3. ऑनलाइन पत्रकारिता – संजय द्विवेदी व शलभ, 2015

4. न्यू मीडिया और पत्रकारिता – कृष्ण कुमार यादव, 2017

5. सोशल मीडिया और लोकतंत्र –अशोक कुमार, 2019

5 AEC

रचनात्मक हिन्दी लेखन

उद्देश्य

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में रचनात्मक अभिव्यक्ति की क्षमता विकसित करना है। रचनात्मक लेखन के विविध रूप कहानी, कविता, लेख, संवाद, डायरी, लघुनाटक, रिपोर्ट, निबंध, रूपक, रेखाचित्र आदि की विशेषताओं, तकनीकों और शिल्पगत पक्षों से विद्यार्थियों को परिचित कराया जाता है।

इससे विद्यार्थी अपनी कल्पनाशक्ति, संवेदनशीलता, शब्द–संपदा और अभिव्यक्ति–कौशल को समृद्ध कर साहित्यिक लेखन में दक्षता अर्जित करते हैं।

इकाई 1 रचनात्मक लेखन का स्वरूप एवं आधार

1. रचनात्मकता की अवधारणा
2. भाषा, कल्पना और संवेदना का संबंध
3. रचनात्मक लेखन की विशेषताएँ
4. विषय चयन, कथ्य निर्माण, कथानक व वातावरण निर्माण
5. अभिव्यक्ति के स्तर भाव, भाषा, शिल्प, शैली

इकाई 2 रचनात्मक लेखन की विधियाँ – काव्य एवं गद्य

1. कविता लेखन बिंब, प्रतीक, छंद, लय, भाव
2. लघुकथा/कहानी लेखन कथानक, पात्र, संवाद, कथ्य
3. निबंध लेखन चिंतन, तर्क, प्रस्तुति
4. लेख, फीचर, स्केच, रेखाचित्र : परिचय और लेखन तकनीक

इकाई 3 पत्रकारिक एवं व्यावहारिक रचनात्मक लेखन

1. रिपोर्ट लेखन समाचार मूल्य, संरचना, भाषा
2. संपादकीय/टिप्पणी लेखन
3. साक्षात्कार लेखन प्रश्न निर्माण, संवाद शैली
4. भाषण लेखन
5. विज्ञापन लेखन ,स्लोगन, जिंगल, टैगलाइन

इकाई 4 संवाद, नाटक एवं दृश्य रचनाएँ

1. संवाद लेखन के सिद्धांत
2. लघुनाटक/एकांकी लेखन
3. दृश्य–वर्णन, स्क्रिप्ट लेखन
4. रेडियो/टीवी के लिए लघु स्क्रिप्ट
5. डिजिटल माध्यमों के लिए क्रिएटिव राइटिंग (पोस्ट, ब्लॉग, वीडियो–स्क्रिप्ट)

इकाई 5 अभ्यास एवं रचना–प्रयोग

1. कहानी/कविता/निबंध का मौलिक लेखन
2. विज्ञापन पोस्टर हेतु रचनात्मक सामग्री लिखना
3. किसी घटना का रचनात्मक संस्मरण
4. संवाद अथवा लघुनाटक लिखने का अभ्यास
5. दी गई छवि/विषय पर रचना–लेखन

परिणाम

1. रचनात्मक लेखन की संरचना, तत्व और शैली को समझ सकेंगे।
2. कविता, कहानी, रिपोर्ट, संवाद, निबंध, विज्ञापन, स्क्रिप्ट आदि में अपनी लेखन–प्रतिभा विकसित कर पाएँगे।
3. भावानात्मक, कल्पनात्मक और कलात्मक अभिव्यक्ति में दक्ष होंगे।
4. व्यावहारिक लेखन : जैसे भाषण, रिपोर्ट, फीचर, विज्ञापन लेखन में कौशल अर्जित करेंगे।
5. डिजिटल माध्यमों के लिए रचनात्मक सामग्री तैयार करने की क्षमता प्राप्त करेंगे।

संदर्भ–ग्रंथ

1. रचनात्मक लेखन – शंभुनाथ, 2015

2. सृजन और रचनात्मक लेखन – नामवर सिंह, 2011

3. सृजनात्मक लेखन की कार्यशाला – मोहन राकेश, 2010

4. रचनात्मकता और हिन्दी लेखन – रामजी तिवारी, 2018

5. कहानी लेखन के सिद्धांत – रमेश उपाध्याय, 2014

6. कविता कैसे लिखें – अशोक वाजपेयी, 2012

6 Research Project (RP)

अनुसंधान परियोजना और इंटर्नशिप Research Project and Internship

उद्देश्य

1. विद्यार्थियों को शोध पद्धति, डेटा संग्रह और विश्लेषण की मूल प्रक्रियाओं से परिचित कराना।
2. उन्हें वास्तविक कार्यस्थल में इंटर्नशिप के माध्यम से व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना।
3. शोध लेखन, संचार–कौशल और पेशेवर दक्षता का विकास करना।

परिणाम

1. विद्यार्थी स्वतंत्र रूप से शोध परियोजना तैयार करने में सक्षम होंगे।
2. इंटर्नशिप से उन्हें वास्तविक कार्यक्षेत्र का अनुभव और कौशल प्राप्त होगा।
3. टीमवर्क, प्रस्तुति, समस्या–समाधान और विश्लेषणात्मक क्षमता विकसित होगी।

नोट – अनुसंधान परियोजना और इंटर्नशिप के अंतर्गत विभिन्न शोध संस्थानों में विद्यार्थियों को इंटर्नशिप के लिए भेजा जाता है। प्रशिक्षण के दौरान अनुसंधान परियोजना और इंटर्नशिप में प्रतिवेदन बनवाया जाता है।